राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 297 | बुद्धवार 19 फरवरी 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

दोहा से आया मेरा दोस्तः जहां हर चौथा शख्स है हिंदुस्तानी

कतर कैसे बना गल्फ में भारत का सबसे बड़ा सहयोगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी भारत पहुंचे हैं। पीएम मोदी प्रोटोकॉल को तोड़ते हुए खुद अमीर को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। शेख तमीम अन्य देशों के शासकों की तरह आम नहीं हैं। उनके डिप्लोमेसी के साथ साथ लाइफ स्टाइल भी दुनियाभर में मशहूर है। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप की वापसी हुई है। एक साझेदार के तौर पर कतर के साथ भारत की नजदीकियां और भी ज्यादा जरूरी होती हैं। इसके कई रणनीतिक कारण भी हैं। इनमें से एक कतर से भारत को आने वाला एलएनजी है। भारत में ऊर्जा की खपत बड़े पैमाने पर होती है। इसलिए भारत को ऊर्जा संशाधनों की भी जरूरत है। ऐसे में बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के लिए कतर भारत के लिए सबसे मजबूत विकल्प माना जाता है। कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर भी है।

कतर में हर चौथा शख्स है हिंदुस्तानी

ऐतिहासिक रूप से भारत और कतर के लोगों से लोगों के बीच मजबूत सम्बंध है। 8 लाख 30 हजार से अधिक मजबूत और जोशपूर्ण भारतीय समुदाय; कतर में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय माना जाता है। बड़ी संख्या में ब्लू-कॉलर श्रमिकों के अलावा चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शिक्षा, वित्त, बैंकिंग, व्यवसाय और मीडिया सहित व्यवसायों में लगे हुए हैं। 2019 में भारत-कतर संस्कृति वर्ष के रूप में मनाया गया। फीफा 2022 और एशियाई फुटबॉल चैम्पियनशिप 2023 में भारतीय प्रवासियों द्वारा उत्साहपूर्वक भागीदारी ने कार्यक्रमों की सफलता को और अधिक रंगीन और जीवंत बना दिया। कतर में 19 भारतीय स्कूल और एक भारतीय विश्वविद्यालय शैक्षणिक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। प्रत्येक साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के कार्यक्रम में 3000 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कतर से नौसेना के पूर्व अधिकारियों की रिहाई

कतर के अमीर का भारत दौरा फरवरी 2024 की उस घटना के बाद हुआ है, जिसमें वहां के जेलों में बंद आठ भारतीयों की सजा को माफ कर रिहा कर दिया दगा था। ये भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी थे। इन पूर्व अधिकारियों को अगस्त 2022 में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कतर की अदालत ने इन लोगों को 2023 में फांसी की सजा सुनाई थी। इन लोगों को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के आदेश पर रिहा किया गया था। इसके बाद से पीएम मोदी ने कतर की यात्रा की थी।

भारत-कतर के बीच संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के बीच मंगलवार को हैदराबाद हाउस में वार्ता हुई, जिसके बाद भारत और कतर ने अपने संबंधों को व्यापार, ऊर्जा, निवेश और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने का निर्णय लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दोनों देश के शीर्ष नेताओं के बीच व्यापक मुद्दों पर वार्ता हुई है। वार्ता में दोनों देशों के बीच आपसी गहरे और पारंपरिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। प्रवक्ता ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने आज हैदराबाद हाउस में व्यापक चर्चा की। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।'

भगदड़ के विरोध में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, मांगा रेल मंत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा कांग्रेस ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में कई लोगों के मारे जाने पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए इस घटना के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जिम्मेदार बताते हुए मंगलवार को यहां प्रदर्शन किया और श्री वैष्णव से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की।

युवा कांग्रेस के प्रवक्ता वरुण पांडे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदर्शनकारी युवाओं ने जबरन रेल मंत्रालय की तरफ जाने का प्रयास किया, लेकिन भारी पुलिस बंदोबस्त के कारण उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने रेल मंत्री का पुतला फूंका और उनसे इस्तीफ़ा मांगा। इस दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर और तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर मरने वालों के आंकड़े नहीं छुपाने, भगदड़ नहीं नरसंहार जैसे नारे लिखे हुए थे।

श्री पांडे के अनुसार इस दौरान युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने प्रदर्शनकारी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह भगदड़ या हादसा नहीं बल्कि नरसंहार है। रेल मंत्री अपने कर्तव्य का निर्वाह करने में विफल रहे हैं इसलिए उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

श्री चिब ने कहा, 'वहां का मंजर दिल दहलाने वाला था, रेलवे प्रशासन की नाकामी के कारण आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दम घुटने से 18 लोगों की मौत हो गई, जिसमें नौ महिलाएं, चार पुरुष और पांच बच्चे शामिल हैं। श्रद्धालुओं के इस नरसंहार का जिम्मेदार कौन है। इतना बड़ा हादसा हो जाने के बाद भी नैरेटिव बनाया गया कि सब कुछ नियंत्रण में है। जब लोग भगदड़ में मर रहे थे तो रेल मंत्री मौत के आंकड़ें छिपाने में जुटे थे। श्री वैष्णव को नैतिक रूप से अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है इसलिए उन्हें जल्द से जल्द इस्तीफा देना चाहिए।'

दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकरा ने कहा कि सरकार ने विज्ञापन दिए और लोगों को कुंभ में बुलाया। ऐसे में जब लोग कुंभ जा रहे हैं तो उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं निभाई। आस्था के पर्व महाकुंभ में जाने के लिए जनता की सरकार से उम्मीद होती है कि उनके लिए आवागमन के उचित प्रबंध हों, पुलिस प्रशासन की तैनाती हो, भीड़ संचालन का बंदोबस्त हो लेकिन मोदी सरकार यह सब व्यवस्था करने में विफल रही है।

भूकंप के खतरनाक जोन में है दिल्ली, इंदिरा गांधी एयरपोर्ट भी दायरे में

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और आसपास सोमवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। आवाज के साथ आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 थी। इससे पहले 23 जनवरी को भी दिल्ली भूकंप से हिल गई थी। एक महीना भी नहीं पूरा हुआ और दूसरा झटका लग गया। दिल्ली एनसीआर के साथ ही पड़ोसी राज्यों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। दरअसल दिल्ली एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है। इस इलाके में तेज भूकंप आने का खतरा बना ही रहता है। दिल्ली के कई इलाके हाई सीस्मिक जोन में हैं। भारत मे 2 से लेकर 5 तक सीस्मिकजोन हैं। वहीं दूसरे सबसे खतरनाक इलाकों में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी आता है। इसके अलावा बुराड़ी, नजफगढ़ जैसे इलाके भी इस जोन में शामिल हैं। रिपर्ट के मुताबिक लिटियन्स जोन भी भूकंप संभावित सीस्मिक जोन में है। यहां संसद भवन और ज्यादातर मंत्रालय हैं। वहीं एम्स, नारायणा और जेएनयू सुरक्षित जोन में आते हैं। दिल्ली सीस्मिक जोन 5 में आता है। ऐसे में यहां 8 से 9 तीव्रता के भूकंप का भी खतरा बना हुआ है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि दिल्ली एनसीआर पर बड़े खतरे का अंदेशा बना ही रहता है।

सज्जन कुमार की सजा पर सुनवाई टली, 21 को फैसला

-पीड़ित पक्ष ने राउज एवेन्यू कोर्ट के सामने रखी मांग

नई दिल्ली । 1984 सिख दंगा के एक केस में सज्जन कुमार को मंगलवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सजा सुनाई जानी थी, लेकिन सुनवाई टाल दी गई। यह मामला दिल्ली के सरस्वती विहार में 2 सिखों की हत्या से जुड़ा है। दरअसल मंगलवार को सजा के ऐलान से पहले पीड़ित पक्ष ने सज्जन को फांसी की सजा देने की अपील की। इसके बाद कोर्ट ने सजा नहीं सुनाई, अब सज्जन केस की सुनवाई 21 फरवरी को होगी। सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि निर्भया केस की गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए, मामले में सजा-ए-मौत दी जाए। वकील ने कोर्ट में लिखित में अपना हलफनामा पेश किया। फिलहाल सज्जन तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं।

मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था को कर दिया बर्बाद : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार की नीतियों को देश के आर्थिक विकास के दिए दिशाहीन तथा नीतिहीन करार देते हुए कहा है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है और देशवासियों का जीवन बर्बाद हो रहा है। श्री खरगे ने कहा 'इससे अधिक विडंबनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता कि मोदी सरकार के वित्त मंत्री यह कहें कि हमारी अर्थव्यवस्था 'अच्छा रिटर्न' दे रही है। इस साल अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 45 लाख करोड़ रुपए का सफाया हो चुका है। निफ्टी 50 कंपनियों ने 5 वर्षों में सबसे खराब तिमाही लाभ वृद्धि दिखाई है। अक्टूबर से विदेशी निवेशकों ने 1.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं जिसमें 2025 में लगभग एक लाख लाख करोड़ भी शामिल है जिसके कारण छोटे और मध्यम निवेशकों की संपत्ति खत्म हो गई है।' उन्होंने कहा 'रुपया 87 पर, मतलब व्यापार घाटा आसमान छू रहा है। पिछले 05 वर्षों में आयात 62.21 प्रतिशत बढ़ गया है। मोदी सरकार की व्यापार नीति भारत के लिए विनाशकारी है। निर्यात वृद्धि यूपीए सरकार में 2004-14 में 549.36 मोदी 2014-24 -24.72 प्रतिशत अप्रैल- नवंबर 2024 तक ही। इस सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपयेका कॉर्पोरेट टैक्स राजस्व माफ कर दिया है, इस उम्मीद में कि वे नौकरियां पैदा करेंगे लेकिन कॉर्पोरेट करों में कटौती से लाभान्वित होने वाली 9 में से 8 कंपनियों ने नौकरियां कम कर दी हैं।'

भारत में रक्षा उद्योग बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए तैयार : रक्षा सचिव

नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि भारत में रक्षा उद्योग 'बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए तैयार है' और देश को इस क्षेत्र में उन्नत विनिर्माण का केंद्र बनाने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी 'महत्वपूर्ण' होगी। सिंह ने सोमवार देर शाम यहां एक रक्षा सम्मेलन में यह भी कहा कि सरकार का इरादा 'तकनीकी रूप से उन्नत' और 'युद्ध के लिए तैयार बल' बनाने का है जो 'आधुनिक युद्ध की जटिलताओं' से प्रभावी ढंग से निपट सके। अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन रक्षा उद्योग जगत के विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है, जिसमें उन्हें वित्तपोषित करने वाले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' पर चर्चा के लिए एक एकीकृत मंच बनाना, रक्षा तंत्र को सशक्त बनाना अभी एक 'जटिल मुद्दा' है। उन्होंने कहा, ''यह एक सतत प्रयास है जिस पर हमें ध्यान केंद्रित रखना होगा। यह 'आत्मनिर्भरता' या रणनीतिक आत्मनिर्भरता के हमारे प्रयास में रक्षा परिवेशी तंत्र को आधुनिक बनाने और सुधारने की हमारी प्राथमिकताओं के अनुरूप भी है।'' उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया है, जिसका उद्देश्य समय पर परिणाम देने के लिए प्रणालियों और प्रक्रियाओं को अधिक कुशल, सुव्यवस्थित बनाना है। उन्होंने कहा, ''इसका उद्देश्य एक तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार बल का निर्माण करना है जो आधुनिक युद्ध की जटिलताओं का प्रभावी ढंग से हल निकाल सके।'' अपने संबोधन में, सिंह ने एक मजबूत रक्षा परिवेशी तंत्र बनाने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम करने पर जोर दिया।

मुश्किल में आप नेता सत्येंद्र जैन, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चलेगा मुकदमा, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभियोजन की मंजूरी दिए जाने के बाद नई कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा 14 फरवरी, 2025 को किए गए अनुरोध के बाद 18 फरवरी, 2025 को यह मंजूरी दी गई।

सत्येंद्र जैन के खिलाफ सरकार का मामला

गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उपलब्ध कराए गए सबूतों के आधार पर जैन के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सामग्री मौजूद है। नतीजतन, मंत्रालय ने कानूनी कार्रवाई के लिए राष्ट्रपति से मंजूरी मांगी। मंजूरी के बाद अब इस मामले की सुनवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 2018 के तहत होगी।

सत्येंद्र जैन के खिलाफ आरोप

जैन को 30 मई, 2022 को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर 2015-2016 में शेल कंपनियों के जरिए 16.39 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें तिहाड़ जेल

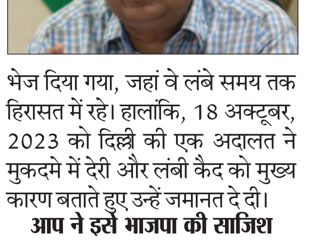

भेज दिया गया, जहां वे लंबे समय तक हिरासत में रहे। हालांकि, 18 अक्टूबर, 2023 को दिल्ली की एक अदालत ने मुकदमे में देरी और लंबी कैद को मुख्य कारण बताते हुए उन्हें जमानत दे दी।

आप ने इसे भाजपा की साजिश बताया

जैन की जमानत पर सुनवाई के दौरान ईडी ने उनकी रिहाई का विरोध करते हुए तर्क दिया कि अगर उन्हें रिहा किया गया तो वे गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, आप नेताओं ने अदालत के जमानत के फैसले की सराहना करते हुए इसे सत्य की जीत और भाजपा की साजिश की हार बताया।

इससे पहले 26 मई 2023 को जैन को स्पाइनल सर्जरी के बाद मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दी गई थी। राष्ट्रपति की ओर से अभियोजन की मंजूरी मिलने के बाद अब सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला कोर्ट में चलेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अलावा केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन सहित केंद्र शासित प्रदेश के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री की समीक्षा बैठक पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गृह मंत्री लगातार देश में लागू किए गए आपराधिक कानूनों और उनका कितना उपयोग हो रहा है, इसकी समीक्षा करते रहे हैं। इस संबंध में इस बार जम्मू-कश्मीर की बारी

थी। इससे पहले 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की समीक्षा की गई थी।

उन्होंने कहा कि इन कानूनों के क्रियान्वयन में काफी हद तक जम्मू-कश्मीर की भूमिका अच्छी रही। जहां थोड़ी बहुत कमी रही है, उसका उल्लेख किया गया है और उसे सुधारा जाएगा। जहां तक चुनी हुई सरकार का सवाल है, केंद्र शासित प्रदेश में कानून लागू करना हमारी जिम्मेदारी नहीं है लेकिन चूंकि ये नए कानून हैं और लोगों को कानून के बारे में जानकारी होनी चाहिए, इसलिए चुनी हुई सरकार को कुछ प्रगति करनी होगी।

आधी रात को चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करना मोदी-शाह की असभ्यताः राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने आधी रात को नये मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कर सबको चौंकाया ही नहीं है बल्कि संवैधानिक कदम उठाकर असभ्य होने का भी परिचय दिया है। श्री गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए सोमवार को हुई बैठक में अपनी असहमति यह कहते हुए व्यक्त की थी कि समिति से देश के मुख्य न्यायाधीश को हटाना गलत है और उनकी जगह गृहमंत्री अमित शाह को समिति में रखना अनुचित है। यह मामला न्यायालय में है और बुधवार को इस बारे में उच्चतम न्यायालय को फैसला देना है इसलिए इस मुद्दे को 19 फरवरी तक स्थगित किया जाना चाहिए लेकिन सरकार ने उनकी असहमति पर ध्यान दिए बिना आधी रात को नये चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी और इस कदम को सभ्य नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा 'अगले चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए समिति की बैठक के दौरान मैंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को एक असहमति नोट प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया है कि एक स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करके और भारत के मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाकर सरकार ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर करोड़ों मतदाताओं की चिंता को बढ़ा दिया है।'

स्थानीय निकाय चुनाव में लहराया भगवा, 68 में से 62 नगर पालिकाओं में भाजपा की जीत

`* नगर पालिका की कुल 1677 में से भाजपा की 1341 सीटों पर जीत, कांग्रेस के खाते में गईं 252 सीटें

`* देवभूमि द्वारका के सलाया में कांग्रेस, पोरबंदर की कुतियाणा और राणावाव नगर पालिका में सपा की जीत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में एक बार फिर भाजपा का जादू चला है। सौराष्ट्र के जूनागढ़ नगर निगम समेत भाजपा ने राज्य में 62 नगर पालिकाओं में शानदार जीत हासिल की है। जबकि एक नगर पालिका में कांग्रेस और 5 में अन्य की जीत हुई है। नगर पालिका की कुल 1677 में से भाजपा ने 1341 सीटों पर शानदार जीत की है। जबकि कांग्रेस ने 252 सीटों पर जीत दर्ज की है। सौराष्ट्र में तीन नगर पालिकाओं को छोड़ अन्य सभी में भाजपा की बंपर जीत दर्ज की है। चौंकाने वाला परिणाम देवभूमि द्वारका जिले की सलाया नगर पालिका का रहा। जहां भाजपा का खाता तक नहीं खुला। सलाया नगर पालिका में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच सीधा मुकाबला हुआ।

भारत के लिए अमेरिका और ब्रिक्स दोनों में संतुलन बनाना भी चुनौती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के लिए अमेरिका और ब्रिक्स दोनों ही महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनके साथ संबंधों का संतुलन साधना एक बड़ी चुनौती है। भारत को अमेरिका के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत बनाए रखना होगा, विशेष रूप से टेक्नोलॉजी, रक्षा और व्यापार के क्षेत्रों में। वहीं, ब्रिक्स को बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को बढ़ावा देने और विकासशील देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत की विदेश नीति के लिए यह संतुलन ही सबसे अहम कूटनीतिक रणनीति होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त व्यापारिक रुख ने भारत के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। ट्रंप ने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है, जिससे दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ सकता

है। अमेरिका का मानना है कि भारत कई उत्पादों पर ज्यादा टैरिफ लगाता है, जबकि अमेरिकी बाजारों में भारतीय कंपनियों को विशेष रियायतें मिलती हैं। ट्रंप पहले ही स्टील और एल्युमिनियम के आयात पर शुल्क बढ़ाकर भारतीय निर्यातकों को झटका दे चुके हैं।

इस बीच, भारत ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) का भी अहम हिस्सा है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ब्रिक्स भारत को वैकल्पिक वित्तीय तंत्र तक पहुंच देता है, जिससे पश्चिमी देशों पर उसकी निर्भरता कम होती है। इसके अलावा, ब्रिक्स भारत को नए बाजारों तक पहुंच प्रदान करता है और वैश्विक मंच पर अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर देता है। खासकर चीन के साथ भारत के जटिल रिश्तों के बीच ब्रिक्स एक संतुलन बनाए रखने में मददगार हो सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 190.08 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 123.89 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार और 66.19 अरब डॉलर का सेवा व्यापार शामिल था। दोनों देशों ने 2030 तक इस व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अमेरिका भारत में निवेश का एक प्रमुख स्त्रोत भी है और रक्षा, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में दोनों देशों का घनिष्ठ सहयोग है।

त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की आंकड़ा पहुंचा 55 करोड़ के पार

महाकुंभ नगर । संगमनगरी में 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम 'महाकुंभ 2025' में उम्मीद से कहीं अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर इतिहास रच दिया है। यहां अब तक 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगा ली है। 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है। 26 फरवरी को ही महाकुंभ की समाप्ति भी होनी है। महाकुंभ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी कि स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। सीएम का यह आंकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था। वहीं शुक्रवार (14 फरवरी) को यह संख्या 50 करोड़ के ऊपर पहुंच गई और अब इसने 55 करोड़ का नया शिखर छू लिया है। गौरतलब है कि सर्वाधिक करीब आठ करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा वसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी।

विपक्ष के हर मुद्दे पर चर्चा को हैं तैयारः योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार विपक्ष के हर मुद्दे पर सकरात्मक चर्चा को तैयार है मगर विपक्ष से भी उम्मीद है कि वह उपचुनावों में मिली हार की खुन्नस सदन पर न निकाले और सदन की कार्यवाही में सहयोग करे।

मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होने कहा'हम उम्मीद करते हैं कि हार की हताशा से परेशान विपक्ष अपनी खुन्नस को सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान करेगा।'

उन्होने कहा कि अभिभाषण व बजट महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं, जिसमें विपक्ष ही नहीं, बल्कि सदन का हर सदस्य अपनी बात को प्रभावी ढंग से रख सकता है। इसके अलावा भी विपक्ष जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहेगा, सरकार उसका तथ्यात्मक जवाब देने के लिए पूरी तौर पर तैयार है। हम चाहते हैं कि सदन सार्थक चर्चा का मंच बनना चाहिए। आरोप-प्रत्यारोप या फिर असंसदीय आचरण से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा 'उम्मीद करता हूं कि महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से सुदृढ़ व मर्यादित आचरण की शुरुआत हम लोग विपक्ष के अंदर देखने का प्रयास करेंगे। उम्मीद करेंगे कि विपक्ष समेत सभी सदस्य सदन में ऐसा आचरण दिखाएंगे, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आमजन की आस्था को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।'

विधानमंडल की कार्यवाही में आए सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्होने कहा कि राज्यों में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से इस सत्र की शुरुआत होती है। इसी सत्र के दौरान वर्ष भर के लिए राज्य सरकार का बजट भी पारित होता है। अन्य विधायी कार्यों के साथ ही जनहित व राज्य के विकास से जुड़े हुए महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी सदन में चर्चा होती है। आज विधानमंडल की कार्यवाही प्रारंभ होने के साथ ही महामहिम राज्यपाल का महत्वपूर्ण अभिभाषण भी होगा। इसके उपरांत कल से महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन में चर्चा भी होगी। 20 फरवरी को वर्ष 2025-26 का यूपी का सामान्य बजट सदन में प्रस्तुत होगा। सदन 18 फरवरी से 5 मार्च तक प्रस्तावित किया गया है।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में बहुत कम क्षण आए हैं, जब इतने लंबे समय के लिए सदन आहूत किया गया हो। सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संपन्न हो, यह केवल सत्ता पक्ष का नहीं, बल्कि विपक्ष का भी महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने आशा जताई कि सदन चर्चा-परिचर्चा का मंच बने। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास को लेकर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार ने पिछले लगभग आठ वर्ष के अंदर जो प्रतिमान स्थापित किए हैं, वह अभूतपूर्व हैं। अभिभाषण व सदन के अंदर चर्चा-परिचर्चा के माध्यम से उसकी झलक देखने को मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के परसेप्शन में आए व्यापक बदलाव और देश-दुनिया के द्वारा यूपी को आकर्षण का केंद्र मानते हुए वर्तमान स्थितियां दिखती हैं। हताश-निराश विपक्ष इन मुद्दों पर चर्चा और सदन की कार्यवाही से भागने का प्रयास करता है। विपक्ष अगर सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाने में मदद करेगा तो यह बजट सत्र बहुत अच्छा हो सकता है। 5 मार्च तक चलने वाली सदन की

कार्यवाही महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा करने, सभी सदस्यों को अपनी बात रखने, सामान्य व अनुदान मांगों पर भी चर्चा करने के साथ ही विधायी कार्यों को संपन्न करने के साथ-साथ जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रभावी चर्चा का मंच बन सकता है। यहां माननीय सदस्यों को अपनी बातें रखने का अवसर भी प्राप्त होगा।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, धर्मपाल सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

लखनऊ में देर रात घर का दरवाजा तोड़कर घर में घुसे दबंग, महिला के कपड़े फाड़कर की मारपीट, पीड़ित ने कैसरबाग थाने में दी तहरीर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कैसरबाग थाना क्षेत्र में बीती देर रात दबंगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट करने व तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया। बताया जाता है कि बच्चों के विवाद के बाद नाराज दूसरा पक्ष एक पक्ष के घर का दरवाजा तोड़कर घर में दाखिल हुआ और जमकर महिला और बच्चों समेत पूरे परिवार से मारपीट की। मामले में कैसरबाग थाने में पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

दोपहर में दोनों घर के बच्चों में हुआ था आपसी विवाद

कैसरबाग थाना क्षेत्र के रामा बेकरी के पास रहने वाले मो0 निहाल ने बताया कि वे पास ही में स्थित जहागीर होटल में सेफ का काम करते हैं। रविवार दोपहर को उनके 16 साल के बेटे मो0 उजैस का मोहल्ले के ही किसी लड़के से विवाद हो गया था। बताया गया कि दोपहर में ही आपसी बातचीत के बाद ये पूरा मामला सुलट गया।उन्होंने बताया कि उनका 16 वर्षीय बेटा उजैस गोलागंज स्थित स्कूल में कक्षा 9 का छात्र है।

'देर रात घर में घुसे दबंगों ने दरवाजा तोड़ा और पत्नी से की अभद्रता' : पीड़ित

पीड़ित मो0 निहाल ने बताया कि देर रात वे होटल से काम खत्म करके घर पहुंचे ही थे।थोड़ी देर बाद मोहल्ले के रहने वाले दबंग मुशीर और लईक अपने साथ 10 से 12 लड़कों को लेकर घर में दाखिल हुए। इस दौरान दबंगों ने दरवाजे पर इतनी लाते मारी कि दरवाजे का लॉक तक टूट गया। भीतर घुसते ही दबंगों ने गाली गलौच और मारपीट करते हुए पत्नी के सीने पर हाथ मारा और उसके कपड़े भी फाड़े। इस दौरान घर में मौजूद बेटी और बेटे के साथ भी अभद्रता करते हुए मारपीट की गई। मोहल्ले वालों के जमा होते ही सभी आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने इस मामले को लेकर कैसरबाग थाने में तहरीर दी है। वहीं, पुलिस टीम मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

नर्सिंग होम से घर लौटी युवती ने लगाई फांसी, शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

लखनऊ। आलमबाग थाना क्षेत्र स्थित बिहार नगर की रहने वाली अंजली कुमारी नाम की एक युवती ने बीते रविवार पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। मौके ओर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोमवार को परिजनों ने शव मिलने के बाद सड़क पर शव रखकर मामले में जांच करके कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची आलमबाग थाने की पुलिस टीम ने परिजनों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया और कार्रवाई का आश्वासन किया है। मृतक युवती के पिता ने बताया कि उनकी बेटी अंजली बाला नर्सिंग होम में काम करती थी। रविवार को वह काम से वापस घर आई और अपने कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लिया। शुरू में लगा कि थकान की वजह से कमरे में आराम कर रही होगी। काफी देर तक दरवाजा न खुलने के बाद जब युवती के भाई ने किसी तरह दरवाजा खोला तो उसका शव पंखे से साड़ी के सहारे लटका हुआ पाया गया। आनन फानन में उसका शव नीचे उतारा गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने सौंपा शव, परिजनों ने की नर्सिंग होम पर कार्रवाई की मांग

बताया जाता है कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे की छानबीन की, जहाँ किसी भी प्रकार का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। परिजनों से पूछताछ करने पर भी आत्महत्या की वजह साफ नहीं हुई। जिसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर सोमवार को परिजनों को युवती का शव सौंप दिया। मामले में पुलिस कार्रवाई से नाराज परिजनों ने युवती के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे सूचना पर पहुंची पुलिस से परिजनों ने बाला नर्सिंग होम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पुलिस से आश्वासन मिलने के बाद युवती का हुआ दाह संस्कार

परिजनों का कहना था कि घर में अंजली से किसी का कोई विवाद नहीं हुआ। वह हमेशा खुश रहती थी। रविवार को काम से वापस आने के बाद ही उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। लिहाजा, नर्सिंग होम में ही अंजली के किसी की कोई बात बिगड़ी है, जिसकी वजह से उसने आत्महत्या की। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांचकर उचित कार्रवाई करने का परिजनों को आश्वासन दिया है। पुलिस टीम की ओर से आश्वासन मिलने के बाद परिजन शांत हुए, जिसके बाद युवती का दाह संस्कार किया गया।

उप्र : विवाहिता की गला दबाकर हत्या, पांच साल की बेटी ने स्केच बनाकर बताया

झांसी (उप्र)। झांसी कोतवाली क्षेत्र की शिव परिवार कॉलोनी में एक विवाहित महिला की गला दबाकर कथित तौर पर हत्या कर दी गई। सोमवार को हुई इस घटना के बाद ससुराल वालों ने महिला के माता-पिता को बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या की है। लेकिन, महिला की पांच साल की बेटी कागज पर स्केच बना कर बताया कि उसके पापा ने उसकी मां को गला दबाकर मारा है। घटना के संबंध में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक, नगर, ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार शाम शहर कोतवाली क्षेत्र के पंचवटी कॉलोनी में रहने वाली एक महिला ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद मायके के पक्ष ने हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए हंगामा किया। उन्होंने बताया कि मृतक युवती के परिजनों ने कहा कि जब तक ससुराल वालों की गिरफ्तारी नहीं होगी, वह पोस्टमार्टम नहीं करने देंगे। इसकी सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा, मुकदमा दर्ज किया तथा मुख्य आरोपी मृतका के पति संदीप को गिरफ्तार कर लिया। मृतका सोनाली के पिता संजीव त्रिपाठी मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ के लिधौरा में रहते हैं। उन्होंने बताया कि छह साल पूर्व सोनाली (28) की शादी शहर के कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले संजीव बुधौलिया के साथ हुई थी जो कि मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव है। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज की मांग लेकर उसे परेशान करते थे। त्रिपाठी के अनुसार, उन्होंने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था और सोनाली को मायके ले आए थे। दो साल पिता के घर रहने के बाद आरोपियों ने पिछले दिनों समझौता कर लिया और सोनाली को झांसी ले आए थे। पिता ने बताया कि सोमवार को ससुराल वालों ने सूचना दी कि सोनाली ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है। इस सूचना पर मेडिकल कॉलेज पहुंचे मृतका के परिजनों को संदीप की पांच वर्षीय बेटी दर्शिका ने रोते हुए बताया कि पापा ने मम्मी को गला दबाकर मार डाला। उन्होंने कहा कि बच्ची कागज पर स्केच बनाकर घटना को दिखाने का प्रयास करने लगी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद होने लगा। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटना के संबंध में पुलिस ने पति संदीप बुधौलिया, सास विनीता, जेठ कृष्ण कुमार बुधौलिया सहित कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक सिंह ने बताया कि पति संदीप बुधौलिया को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विधानमंडल के बजट सत्र के पहले सपा सदस्यों ने सरकार के खिलाफ धरना दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन, मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने विधानसभा परिसर में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास धरना दिया। हाथों में बैनर और तख्तियां लिये सपा सदस्य नारे लगा रहे थे ''लाठी गोली की सरकार, नहीं चलेगी नहीं चलेगी'' और ''आरक्षण विरोधी, दलित विरोधी, संविधान विरोधी सरकार नहीं चलेगी, नहीं चलेगी।'' सपा के वरिष्ठ सदस्य सुधाकर सिंह तथा एच एन सिंह पटेल ने बताया कि पार्टी के विधायकों ने संभल और कुंभ समेत तमाम मुद्दों पर सरकार की विफलताओं को लेकर धरना दिया है। विधायकों के हाथों में तख्तियां थीं जिन पर 'बिजली पानी दे न सके जो, वह सरकार निकम्मी है! जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।'' लिखा था। सपा के वरिष्ठ सदस्य अमिताभ त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कुंभ में मृतकों, स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के फर्जी आंकड़े पेश किए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार कुंभ मामले पर सदन में चर्चा कराए। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने भाजपा सरकार को जन विरोधी, किसान विरोधी करार देते हुए कहा, 'यह सरकार हर मोर्चे पर विफल है।' विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है। यह इस वर्ष का पहला सत्र है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण से आज सदन की कार्यवाही शुरू होगी।

महाकुम्भ से साकार हुई एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा : आनंदीबेन

लखनऊ (एजेंसी)। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि प्रयागराज महाकुंभ से एक भारत,श्रेष्ठ भारत की अवधारणा साकार हुयी है।

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल के वर्ष 2025 के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों के समवेत अधिवेशन को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि योगी सरकार को इस वर्ष दिव्य एवं भव्य महाकुम्भ आयोजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जिसमें स्वच्छता, सुरक्षा तथा सुव्यवस्था के नए मानक गढ़े गए हैं। महाकुम्भ में आस्था एवं आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन जहां एक ओर अनेकता में एकता को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर समता व समरसता का संदेश भी दे रहा है, जिससे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा साकार हो रही है। अब तक लगभग 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुजन पावन त्रिवेणी में आस्था की पवित्र डुबकी लगा चुके हैं।

उन्होने मौनी अमावस्या पर घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि इससे हम सभी अत्यन्त दुःखी हैं। इसमें कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें से कुछ श्रद्धालुओं की दुःखद मृत्यु भी हो गई। असमय काल-कवलित हुए लोगों के प्रति उन्होंने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

राज्यपाल ने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि महाकुम्भ प्रयागराज 2025 के शुभ अवसर पर पावन त्रिवेणी तट पर 22 जनवरी को मंत्रिपरिषद् की ऐतिहासिक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कांग्रेस के बहकावे में कभी नहीं आयेगा दलित समाज : मायावती

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद उदित राज के विवादित बयान पर पलटवार करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि उनके मानवतावादी संघर्ष का हर स्तर पर तिरस्कार करने वाली कांग्रेस दलित शोषित वर्ग की विश्वसनीय नहीं हो सकती और दलित समाज कभी भी इसके बहकावे में नहीं

आयेगा। सुश्री मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया 'बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जीतेजी व उनके देहान्त के बाद भी, करोड़ों शोषित-पीड़ित दलितों/बहुजनों के लिए उनके आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के मानवतावादी संघर्ष का हर स्तर पर तिरस्कार करने वाली खासकर कांग्रेस पार्टी कभी भी इनकी सोच-नीतियों पर खरी व विश्वसनीय नहीं हो सकती।' उन्होने कहा ' विशुद्ध राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ के लिए कांग्रेस 'जय बापू, जय भीम, जय मण्डल, जय संविधान' आदि के नाम पर चाहे जितने भी कार्यक्रम क्यों न कर ले, बाबा साहेब के अनुयाई इनके किसी बहकावे में आने वाले नहीं हैं। वे जागरुक व सतर्क तथा अपने पैरों पर खड़े होने के लिए संघर्षरत हैं।' उदित राज के बयान पर पलटवार करते हुये उन्होने कहा 'कुछ दलबदलू अवसरवादी व स्वार्थी दलित लोग अपने आक़ाओं को खुश करने के लिए जो अनर्गल बयानबाजी आदि करते रहते हैं उनसे भी बहुजन समाज को सावधान रहने व उन्हें गंभीरता से नहीं लेने की जरूरत है क्योंकि वे 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' मूवमेन्ट से अनभिज्ञ व अपरिचित हैं।' गौरतलब है कि श्री राज ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में भगवत गीता का जिक्र करते हुये कहा था कि उनके श्रीकृष्ण से आदेश मिला है कि सुश्री मायावती का गला घोटने का समय आ गया है। उनके इस बयान से बसपा में खासा रोष है। बसपा नेता आकाश आनंद ने उदित राज को गिरफ्तार करने की मांग तक कर डाली है।

योगी सरकार के टीबी अभियान के 69 दिन में 89,967 मरीज चिन्हित

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में चल रहे सौ दिवसीय सघन ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) अभियान के पहले 69 दिनों में स्वास्थ्यकर्मियों ने बेहतरीन काम किया है। अब तक 75 जिलों में 89,967 मरीज चिन्हित हुए हैं। इसके अलावा 74 प्रतिशत उच्च जोखिम वाले लोगों तक विभागीय टीम पहुंच चुकी है। वहीं, 12.50 लाख से अधिक लोगों को टीबी के बचाव की दवा खिलाई गई है।

योगी सरकार ने प्रदेश को इसी वर्ष टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी के मद्देनजर पूरे प्रदेश में सौ दिवसीय सघन अभियान चलाया जा रहा है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर के मुताबिक लक्षणविहीन लोगों को टीबी न हो, इसके लिए टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट (टीपीटी) के तहत दवा दी जा रही है। अभियान के दौरान 12,65,376 लोगों को टीपीटी दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान में अब तक कुल 89,967 टीबी मरीजों की पहचान हुई है, जिनमें से 73,231 का इलाज शुरू कर दिया गया है। सभी 75 जनपदों में लगभग साढ़े तीन करोड़ की उच्च जोखिम की जनसंख्या को आच्छादित कर 2.54 करोड़ लोगों की टीबी के संभावित लक्षणों के आधार पर स्क्रीनिंग की गई और एक्सरे, नॉट या माइक्रोस्कोपिक जांच की गई। अभियान के दौरान कुल 4,78,763 निक्षय शिविर लगाकर टीबी की स्क्रीनिंग की गई और जागरूकता अभियान चलाया गया। औसतन प्रतिदिन 4,809 निक्षय शिविर लगाए गए। डॉ. भटनागर ने बताया कि अब तक अभियान में सर्वाधिक 4,050 टीबी के मरीज लखनऊ में मिले हैं। इसके बाद आगरा में 3,545, सीतापुर में 2,854, अलीगढ़ में 2,802, कानपुर में 2,688, प्रयागराज में 2,282, गोरखपुर में 2,025 और वाराणसी में 2,015 केस मिले हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में सबसे कम केस श्रावस्ती (247) में मिले हैं। इसके बाद महोबा में 309, चित्रकूट में 346, संत रविदास नगर में 353 और शामली में 360 मरीज मिले हैं। डॉ. भटनागर ने बताया कि 7 दिसंबर से उन 15 जनपदों में सौ दिवसीय टीबी सघन अभियान शुरू हुआ था, जहां टीबी से होने वाली मौतों की संख्या अधिक थी और नए टीबी रोगियों और संभावित टीबी रोगियों की पहचान दर राष्ट्रीय औसत से कम थी। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में मुख्यमंत्री ने अभियान की समीक्षा करते हुए इस अभियान को सभी 75 जनपदों में लागू करने के निर्देश दिए थे।

उप्र : बसपा नेता आकाश आनंद ने की उदित राज के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग

लखनऊ। पूर्व लोकसभा सांसद उदित राज को कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का 'चाटुकार' बताते हुए बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय सह-संयोजक आकाश आनंद ने मांग की कि उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा देश का बहुजन युवा चुप बैठने वाला नहीं है। आकाश आनंद की यह प्रतिक्रिया सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर, उदित राज की टिप्पणी के कुछ घंटे बाद आई। सोमवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में आकाश आनंद ने कहा, 'आज लखनऊ में मान्यवर कांशीराम साहेब के पुराने सहयोगी और कभी भाजपा, कभी कांग्रेस के चाटुकार उदित राज ने साहेब के मिशन पर लंबा चौड़ा ज्ञान दिया है। उदित राज अपने स्वार्थ के लिए दूसरे दलों में मौका तलाशने के लिए चर्चित हैं। उन्हें बहुजन आंदोलन की चिंता सिर्फ इसलिए है ताकि वह इस तरह से सांसद या विधायक बन सकें। उनका बहुजन समाज के उत्थान से कोई लेना देना नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मैं बहुजन मिशन का युवा सिपाही हूँ। मैं बाबा साहेब और मान्यवर साहेब के मिशन को उदित राज से ज़्यादा समझता हूँ। उनकी भाषा में जिस तरह की धमकी है वह हम बहुजन मिशन के करोड़ों सिपाहियों को कतई बर्दाश्त नहीं है।' बसपा नेता ने मांग की कि उप्र पुलिस 24 घंटे में उदित राज को गिरफ्तार कर क़ानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्यवाही करे अन्यथा देश का बहुजन युवा चुप बैठने वाला नहीं है।

मायावती के 'दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार, लालच' के बावजूद बसपा की 'राजनीतिक ताकत बरकरार' रही: उदित राज

लखनऊ (एजेंसी)। पूर्व सांसद उदित राज ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उनके ''दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार और लालच'' के बावजूद उनकी ''राजनीतिक ताकत लंबे समय तक बरकरार रही''। उन्होंने यह भी कहा कि ''जिस तरह दलितों की हालत खराब थी, आज मुस्लिम समुदाय भी उसी दौर से गुजर रहा है।'' राज ने सोमवार को लखनऊ में पत्रकारों से कहा, ''1980 के दशक के बाद कांशीराम जी ने उत्तर प्रदेश में बहुजन जागरण की शुरुआत की, जो 2000 के दशक में अपने चरम पर पहुंच गया। भले ही आंदोलन की परिणति राजनीति में हुई, लेकिन इसकी सोच और आधार सामाजिक न्याय रहा है। अन्य राजनीतिक दल राजनीति से शुरू करते हैं और राजनीति पर ही खत्म होते हैं, लेकिन बहुजन समाज पार्टी के साथ ऐसा नहीं था।'' मायावती पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, ''मायावती की क्रूरता और अक्षमता के बावजूद कार्यकर्ता और मतदाता लड़ते रहे। कार्यकर्ताओं के घर बिक गए, उनके बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पाई और उनके साथ क्रूरता की गई, फिर भी वे बहुजन राज लाने के लिए संघर्ष करते रहे। फुले, शाहू, आंबेडकर (महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले, राजर्षि शाहू महाराज, बी. आर. आंबेडकर) को मानने वाले लाखों कार्यकर्ता निराशा के दौर से गुजर रहे हैं। कुछ लोगों ने अपने स्तर पर छोटे-छोटे संगठन बनाए हैं, लेकिन उनकी (फुले, शाहू, आंबेडकर की) सोच मरी नहीं है।'' उत्तर पश्चिमी दिल्ली के पूर्व लोकसभा सदस्य ने यह भी कहा, ''जिस तरह दलितों की हालत खराब थी, उसी तरह आज मुस्लिम समुदाय भी उसी दौर से गुजर रहा है। मुस्लिम समुदाय अकेले इस स्थिति से नहीं लड़ सकता। दलित भी अकेले सक्षम नहीं हैं। जब भी मुस्लिम समुदाय अपनी समस्या उठाता है, तो उसका नतीजा सांप्रदायिकता में बदल जाता है।'' उन्होंने कहा कि एक दिसंबर 2024 को दिल्ली के रामलीला मैदान में डोमा परिसंघ की पहली रैली होगी, जिसमें वक्फबोर्ड को बचाने की मांग उठाई जाएगी। पूर्व लोकसभा सदस्य वर्तमान में दलित, ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग), अल्पसंख्यक और आदिवासी (डीओएमए) परिसंघ के प्रमुख हैं।

पति ने धारदार हथियार से की पत्नी की हत्या

आगरा (उप्र)। उत्तरप्रदेश में आगरा के इरादत नगर क्षेत्र में एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त वीरेंद्र कुमार ने मंगलवार को बताया कि सोमवार शाम इरादत नगर थाना क्षेत्र के बाग खिन्नी गांव में केशव नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी राधा (32) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि केशव ने राधा के गले और पेट पर कई वार किए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी जिसने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के भाई नीरज ने बताया, ''केशव के गुजरात की एक महिला से अवैध संबंध थे और राधा को इन संबंधों की जानकारी हो गई थी। गुजरात वाली महिला ने केशव को राधा की हत्या के लिए उकसाया था।'' सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि अभी तक की जांच में अवैध संबंधों की बात सामने आ रही है, विस्तृत जांच की जा रही है और आरोपी केशव की तलाश की जा रही है।

यूपी विधानसभा के सत्र की शुरुआत में सपा ने किया हंगामा

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा में मंगलवार से बजट सत्र शुरू हो गया है। इस दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने जोरदार प्रदर्शन किया। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान भी समाजवादी पार्टी के सदस्य हंगामा करते रहे और लगातार नारेबाजी करते रहे।

राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सपाइयों के हंगामे को देखते हुए विधानसभा की कार्यवाही 12:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। बजट सत्र की शुरुआत होने से पहले सपा के सदस्यों ने प्रदर्शन की तैयारी कर रखी थी। वे बाहर से हंगामा करते आए और चौधरी चरण सिंह की मूर्ति के पास जाकर प्रदर्शन किया। सपा विधायक अतुल प्रधान अपने को बेड़ियों में जकड़ कर पहुंचे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका जिस तरह से भारतीयों का अपमान कर रहा है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में गगरी और तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। गगरी में लिखा था कि यह नैतिकता का अस्थि कलश है। वहीं तख्तियों में विभिन्न नारे लिखकर भाजपा पर प्रदेश में भाईचारा मिटाने का आरोप लगाया।

सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानसभा पहुंचे। उन्होंने साइकिल में मटकी टांग रखी थी, जिस पर लिखा था नैतिकता का अस्थि कलश। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने अभिभाषण में सरकार की नीतियों और उपलब्धियों की चर्चा भी की है। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही 12:30 तक के लिए स्थगित कर दी गई।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज से विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। हमारी सरकार राज्य के विकास के लिए दृढ़ है। सदन के इस सत्र में अनेक सार्थक विषयों पर चर्चा होगी।

इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हार की हताशा से परेशान विपक्ष अपनी खुन्नस को सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान करेगा।

सीएम ने कहा कि अभिभाषण व बजट महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं, जिसमें विपक्ष ही नहीं, बल्कि सदन का हर सदस्य अपनी बात को प्रभावी ढंग से रख सकता है। इसके अलावा भी विपक्ष जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहेगा, सरकार उसका तथ्यात्मक जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हम चाहते हैं कि सदन सार्थक चर्चा का मंच बने।

20 फरवरी को वर्ष 2025-26 का यूपी का सामान्य बजट सदन में प्रस्तुत होगा। सदन 18 फरवरी से 5 मार्च तक प्रस्तावित किया गया

है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में बहुत कम क्षण आए हैं, जब इतने लंबे समय के लिए सदन आहूत किया गया हो। सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संपन्न हो, यह केवल सत्ता पक्ष का नहीं, बल्कि विपक्ष का भी महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने आशा जताई कि सदन चर्चा-परिचर्चा का मंच बने।

सूखे कचरे को अलग- अलग करने की समस्या दूर होगी

फ्यूचर लाइन टाईम्स- नोएडा। सूखे कचरे से प्लास्टिक, पॉलीथिन और कागज को अलग कर पुनः उपयोग में लाने के लिए पुनर्चक्रण (रिसाइकिल) किया जाएगा। इसके लिए औद्योगिक सेक्टर इकोटेक-12 में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर (एमआरएफसी) स्थापित किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और पर्यावरण और शिक्षा केंद्र के बीच समझौता हो चुका है। इस सेंटर की क्षमता पांच टीपीडी (टन प्रतिदिन) होगी। इससे कूड़ा निस्तारण की समस्या का कुछ हद तक समाधान हो जाएगा। भविष्य में इस तरह के और संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा को स्वच्छता के मामले में अव्वल बनाने के लिए प्राधिकरण ने शत प्रतिशत कूड़े के निस्तारण की योजना बनाई है। घरेलू कूड़े को अलग करके क्या-क्या उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इसके लिए पूर्व में रुचि की अभिव्यक्ति जारी कर इच्छुक कंपनियों को आमंत्रित किया गया था। कूड़ा निस्तारण केंद्र तक कम से कम कूड़ा पहुंचे इस पहल पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके तहत एमआरएफसी स्थापित किया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक एमआरएफसी पर उन्नत तकनीक के जरिए प्लास्टिक, पॉलीथिन, रबड़, कागज आदि सूखे कचरे को अलग-अलग किया जाएगा। घरों से निकलने वाला सूखा कचरा केंद्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी प्राधिकरण की होगी। प्लास्टिक और पॉलीथिन को रिसाइकिल कर उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर चिप

बनाई जाएगी। वहीं कागज को रिसाइकिल कर गत्ता बनाया जाएगा। रिसाइकिल के बाद तैयार चिप (प्लास्टिक के टुकड़े) और गत्ता उन कंपनियों को बेचा जाएगा, जो बेकार चीजों से उपयोगी वस्तुएं बनाने का काम करती हैं। इससे संस्था कमाई करेगी। प्राधिकरण की योजना शहर में इस तरह के और सेंटर स्थापित करने की है, ताकि कूड़ा निस्तारण केंद्र तक कम से कम कूड़ा पहुंचे। दूसरा इसका एक और फायदा यह भी होगा कि सूखा और गीला कचरा अलग-अलग पहुंचेगा। सेंटर स्थापित करने के साथ लोगों को जागरूक भी किया जाएगा कि घर में ही सूखे व गीले कचरे को अलग-अलग रखा जाए। इससे निस्तारण में आसानी होगी।

कबाड़ का कारोबार करने वाले लोगों को जोड़ा जाएगा

संस्था के प्रतिनिधि रोहित मसकारा के मुताबिक इस केंद्र से कबाड़ का कारोबार करने वाले लोगों को भी जोड़ा जाएगा। उनके द्वारा एकत्रित किए गए प्लास्टिक, पेपर आदि को खरीदकर रिसाइकिल किया जाएगा। जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे इस पहल को सफल बनाने के लिए लोगों को सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक किया जाएगा। संस्था द्वारा आवासीय सेक्टरों के साथ स्कूल, कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सूखे कचरे से प्लास्टिक, पॉलीथिन और कागज को अलग करने के लिए मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसको लेकर पर्यावरण और शिक्षा केंद्र नामक संस्था के साथ समझौता किया गया है। सूखे और गीले सहित सभी तरह के कचरे के निस्तारण की योजना बनाई गई है। इस पर काम शुरू कर दिया गया है।

एनटीपीसी दादरी का ग्रामीण शिक्षा और विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : एनटीपीसी दादरी द्वारा दिनांक 17 फरवरी 2025 को नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण अनुदान हस्तांतरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री के.सी. मुरलीधरन, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी दादरी ने श्री मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी झ्र गौतम बुद्ध नगर को समीपवर्ती गांवों के विकास कार्यों हेतु अनुमोदित धनराशी ₹2,74,11,340 के मद में प्रथम किस्त का चेक सौंपा। यह अनुदान रानोली लतीफपुर, जैतवारपुर, ऊँचा आमीरपुर, रसूलपुर डासना, पियावली-ताजपुर, बदपुरा, जारचा, मुंथियानी और सिदीपुर गाँवों के विकास कार्यों हेतु प्रदान किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधानगण एवं ग्राम सचिव भी उपस्थित रहे। समारोह में जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें श्री विद्यानाथ शुक्ला (मुख्य विकास अधिकारी), श्री मंगलेश दुबे (अपर जिला अधिकारी), श्री राहुल पवार (बेसिक शिक्षा अधिकारी), एवं श्री शशि भूषण (अधिशासी अभियंता - ग्रामीण अभियंत्रण विभाग) भी उपस्थित रहे। साथ ही, एनटीपीसी दादरी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर मौजूद रहे। इस अनुदान हस्तांतरण के पश्चात, एनटीपीसी दादरी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय, रसूलपुर डासना में नव निर्मित कक्षा-कक्षों एवं विद्यालय के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में श्री मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी झ्र गौतम बुद्ध नगर एवं श्री के.सी. मुरलीधरन, मुख्य महाप्रबंधक, एनटीपीसी दादरी उपस्थित रहे व उन्होंने नवीन उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने और शिक्षा के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा वातावरण प्राप्त होगा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की और एनटीपीसी दादरी का आभार व्यक्त किया। एनटीपीसी दादरी सतत विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दशार्ते हुए, शिक्षा और बुनियादी ढाँचे के विकास में योगदान देता रहा है। एनटीपीसी स्थानीय सरकारी विद्यालयों को मॉडल स्कूलों में परिवर्तित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, जिससे क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षिक संस्थानों का स्तर ऊँचा उठाया जा सके। यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी।

पंचायत उप निर्वाचन 2025 के अंतर्गत ग्राम पंचायत शमशमनगर में मतदान हेतु विकास भवन से पोलिंग पार्टी हुई रवाना

19 फरवरी 2025 को होगा मतदान एवं 21 फरवरी 2025 को होगी मतगणना

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर 18 फरवरी 2025 जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा निर्गत अधिसूचना में उल्लेखित कार्यक्रम अनुसार पंचायत उप निर्वाचन फरवरी 2025 के अंतर्गत विकासखंड जेवर की ग्राम पंचायत शमशमनगर में ग्राम प्रधान पद हेतु 19 फरवरी 2025 को मतदान किया जाएगा, जिसके लिए आज सूरजपुर स्थित विकास भवन से मतदान दलों की रवानगी की गई। पंचायत उप निर्वाचन फरवरी-2025 के तहत ग्राम पंचायत शमशमनगर में प्रधान पद हेतु निर्वाचन के लिए 01 मतदान केंद्र एवं 02 मतदेत स्थल बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि मतगणना 21 फरवरी 2025 को विकासखंड जेवर मुख्यालय पर होगी।

उन्होंने बताया कि मतदान दलों को रवानगी से पूर्व सामग्री का वितरण किया गया। मतदान दल में

जिला कृषि अधिकारी/रिटर्निंग ऑफिसर विनोद कुमार, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता/सहायक रिटर्निंग ऑफिसर आलोक रंजन, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश शर्मा एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईएएस एवं पीसीएस 2024 की मुख्य परीक्षा पास करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत मॉक साक्षरता का किया जा रहा है आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि आईएएस एवं पीसीएस 2024 की मुख्य परीक्षा पास करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत जनपद गौतमबुद्धनगर के सेक्टर 37, नोएडा स्थित डा० भीमराव आम्बेडकर पुस्तकालय सेक्टर 37, नोएडा में मॉक साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मॉक साक्षात्कार हेतु जो भी प्रतियोगी छात्र-छात्रा आवेदन करना चाहते है वो दिपांशु सिंह कोर्स को-आर्डिनेटर मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना गौतमबुद्धनगर के मोबाईल नम्बर 8800770498 व सारांश श्रीवास्तव वरिष्ठ सहायक समाज कल्याण के मोबाइल नम्बर 8860517148 तथा सेक्टर 37 नोएडा स्थित डा० भीमराव आम्बेडकर पुस्तकालय अभ्युदय योजना केन्द्र में दिनांक 22.02.2025 तक सम्पर्क कर सकते है।

पत्रकारों का महाकुंभ 23 फरवरी को प्रयागराज में - नंद गोपाल वर्मा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : प्रयागराज में 23 फरवरी को पत्रकारों का महाकुंभ भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के सानिध्य में देशभर से आने वाले पत्रकार प्रयागराज में आकर संगम में आस्था की डुबकी लगा कर सनातन के प्रति श्रद्धा समर्पण और मानवता का संदेश देंगे। इस अवसर पर परेड मैदान में पत्रकार मंगल मिलन आयोजन भी होगा। उक्त जानकारी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के सचिव पत्रकार व सामाजिक नंद गोपाल वर्मा ने देते हुए बताया कि पत्रकार महासंघ के रजत जयंती वर्ष में 23 फरवरी रविवार को

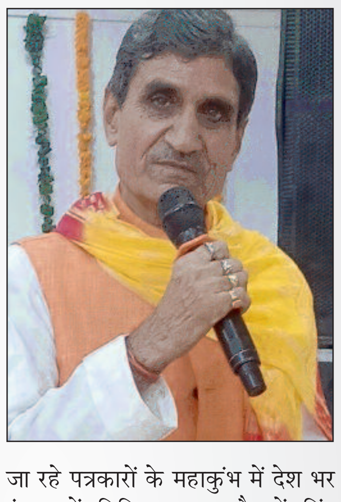

प्रयागराज परेड ग्राउंड में होने जा रहे पत्रकारों के महाकुंभ में देश भर के तमाम प्रति से काफी संख्या में विभिन्न न्यूज चैनलों प्रिंट इलेक्ट्रानिक मीडिया कर्मी पत्रकार व साहित्यकार प्रयागराज पहुंच कर महा कुंभ की आभा से अभिभूत होंगे। श्री वर्मा ने आगे बताया कि पत्रकारों का महाकुंभ संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक एडवोकेट व पत्रकार डॉ बालकृष्ण पांडे, राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय, राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र, मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धूरिया, राष्ट्रीय सचिव नंद गोपाल वर्मा के सानिध्य में संपन्न होगा। गौतमबुद्ध नगर जिले से संगठन के प्रदेश सचिव पत्रकार राजेश शर्मा के नेतृत्व में लीला शर्मा, तरुण शर्मा, पूजा शर्मा, शिवा वर्मा समेत पत्रकारों का बड़ा समूह गौतम बुद्ध नगर से 22 फरवरी को प्रयागराज पत्रकारों के महाकुंभ में शामिल होने के लिए रवाना होगा।

गौतमबुद्ध नगर यूनिवर्सिटी में चोरी, केस दर्ज

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां यूनिवर्सिटी के गोपनीय दस्तावेजों की चोरी कर उन्हें संस्थान के सभी प्रोफेसर्स और कर्मचारियों को ईमेल कर दिया गया। विधि विभाग के अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार तिवारी की शिकायत पर ईकोटेक-1 कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है। यूनिवर्सिटी की स्थापना विभाग में रखे गए गोपनीय दस्तावेज, जो एक विशेष अधिकारी की देखरेख में थे, को चुराने के बाद आरोपी ने एक नई ईमेल आईडी बनाकर उन्हें यूनिवर्सिटी के समस्त कर्मचारियों को भेज दिया। मामले में योगेश नाम के एक व्यक्ति और कुछ अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।कोतवाली प्रभारी ईकोटेक-1 अरविंद वर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही जांच पूरी कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।यह घटना यूनिवर्सिटी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है, क्योंकि गोपनीय दस्तावेजों तक किसी की भी पहुंच होना चिंता का विषय है।

क्रिकेट मैच के दौरान युवक की हत्या,तीन आरोपी गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स- ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के सूरजपुर में उस वक्त सनसनी मच गयी जब क्रिकेट मैच के दौरान हुए विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गयी।मृतक की पहचान सूरजपुर निवासी मनीष कुमार शर्मा (32) के रुप में हुई है।आपको बता दे कि ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कस्बे के मैदान में कुछ लोग क्रिकेट खेल रहे थे।इस दौरान मनीष नामक युवक का क्रिकेट खेल रहे कुछ युवकों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने क्रिकेट बैट से हमला कर मनीष की हत्या कर दी।इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।मौके पर पहुंची सूरजपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटनास्थल पर पहुंच कर फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों में आक्रोश है।उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन व अन्य लोग सूरजपुर थाने पहुंच गए और उन्होंने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

गुरुकुल और गोशाला सील, 35 लड़कियों को किया गया शिफ्ट

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर-115 सोरखा गांव में बिना मान्यता के चल रहे आर्य कन्या गुरुकुल और गौ शाला को शिक्षा विभाग ने सील कर दिया है। यहां रह रही लड़कियों को अभी सेक्टर-44 के महामाया बालिका इंटर कॉलेज में रखा गया है। इनके पेरेंट्स से संपर्क किया जा रहा है। ऐसे में अगर पेरेंट्स इनको महामाया बालिका इंटर कॉलेज में पढ़ाना चाहते है तो दाखिला कराया जाएगा। इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा। आसपास के लोगों ने बिना मान्यता के चल रहे इस गुरुकुल की शिकायत प्रशासन से की थी। यहां आर्य कन्या गुरुकुल वेदधाम और श्री कृष्ण गोशाला संचालित हो रही थी। ये सरकारी जमीन पर बना हुआ था। यहां करीब 50 लड़कियां रहकर पढ़ाई कर रही थी। जिसमें से 15 पहले चली गई थी। ये सभी अलग-अलग राज्यों की रहने वाली है। गुरुकुल में गोशाला भी थी जिसे भी सील किया गया।

शिकायत मिलने पर जारी किया था नोटिस

इससे पहले भी गुरुकुल पर कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किया गया था। डीआई ओएस ने इस मामले में शिकायत मिलने पर कार्रवाई की थी। उस दौरान करीब 47 छात्राएं यहां रहकर पढ़ाई कर रही थी। पिछले 14 साल से इसे संचालित किया जा रहा था। इसके बाद भी गुरुकुल प्रबंधक ने मान्यता के लिए अप्लाई नहीं किया। गुरुकुल के लिए अनिवार्य है कि वह उप्र माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता ले।

निमार्णाधीन फैक्ट्री की तीसरी मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। थाना फेज-2 क्षेत्र मे स्थित एक निमार्णाधीन फैक्ट्री में काम करते समय एक मजदूर की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।थाना प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि दिल्ली के शाहीन बाग स्थित अबुल फजल एंकलेव पार्ट-दो निवासी मोहम्मद इमरान मजदूरी करते थे। वह मूलरूप से जिला गाजियाबाद के गांव कुशलिया के रहने वाले थे। फेज-2 क्षेत्र के सेक्टर-80 स्थित डी ब्लॉक के छह नंबर भूखंड मे फैक्ट्री का निर्माण का काम चल रहा है। इस फैक्ट्री में वह पिछले कई दिन से मजदूरी का काम कर रहे थे। वह तीसरी मंजिल पर काम कर रहे थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने के चलते वह नीचे आ गिरे। वहां काम कर रहे अन्य मजदूरों ने लहूलुहान अवस्था में अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अस्पताल की ओर से पुलिस को सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजन को सूचना दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में अभी तक परिजनों ने कोई शिकायत नहीं की है।

खुदाई के समय नींव की मिट्टी गिरने से एक श्रमिक की मौत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सलारपुर गांव स्थित सेक्टर-101 मेट्रो स्टेशन के पास बेसमेंट की खोदाई करते समय मिट्टी की दीवार गिर गई। इसमें में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। मजदूर के साथी उपचार के लिए उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन तब-तक उसकी मौत हो चुकी थी।स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक मजदूर के परिवार वाले करीब तीस लोगों के साथ थाने पहुंचे और खोदाई कराने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सैनी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद एक व्यक्ति ने पूछताछ में बताया कि वह जनपद संभल के गांव बघूरा कटियाखेड़ा का रहने वाला है। उसके गांव का 27 वर्षीय रूप किशोर नोएडा के छलेरा गांव में किराये का कमरा लेकर रह रहा था। रूप किशोर शादीशुदा था और बेलदारी का काम कर परिवार का भरण पोषण करता था। रूप किशोर सोमवार को ब्रजपाल और रामकिशन के साथ सलारपुर में 101 मेट्रो स्टेशन के पास बेसमेंट की खोदाई का काम करने गया था। तीनों मिलकर खोदाई और मिट्टी हटाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान मिट्टी की दिवार गिरने से रूप किशोर मिट्टी मे दब गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। ब्रजपाल और रामकिशन के मामूली चोट आई। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद भेज दिया गया। अब दोनों की हालत एकदम ठीक बताई जा रही है। आरोप है कि काम कराने वाला मालिक मना करने पर भी गहराई में खोदाई करा रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच कराई जा रही है। शिकायत मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। मृतक के परिजनों को भी घटना की पूरी जानकारी दे दी गई है।

शादी समारोह में पड़ोसी ने की मारपीट, गोली मारने की दी धमकी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी एक व्यक्ति ने थाना फेज-दो क्षेत्र स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले व्यक्ति के खिलाफ मारपीट करने और गोली मारकर हत्या करने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-एक निवासी दीपक कुमार दूबे ने पुलिस को बताया कि उनकी सोसाइटी के एक व्यक्ति के घर में शादी समारोह था। शादी का कार्यक्रम सेक्टर-93बी स्थित बारात घर में था। वह 16 फरवरी को शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पर सोसाइटी में रहने वाला रज्जन तिवारी नशे में था। रात करीब दस बजे बारातघर में ही अभद्रता करनी शुरू कर दी। इसका विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट की और गोली मारने की धमकी दी।

आईएमएस में ओपन वॉलीबॉल टूनार्मेंट का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में इंटरा कॉलेज वॉलीबॉल टूनार्मेंट का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस 3 दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन 18 टीम ने हिस्सा लिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल प्लेयर रोहित राणा, आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता, महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन, स्पोर्ट्स कॉडिनेटर रीना मैसी के साथ संस्थान के शिक्षक एवं छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए चिराग गुप्ता ने कहा कि खेलकूद छात्र जीवन का अहम हिस्सा है। यह शारीरिक तंदरुस्ती को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्रों में टीम वर्क एवं कुशल नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करता है। प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने छात्रों को खेल भावना के साथ

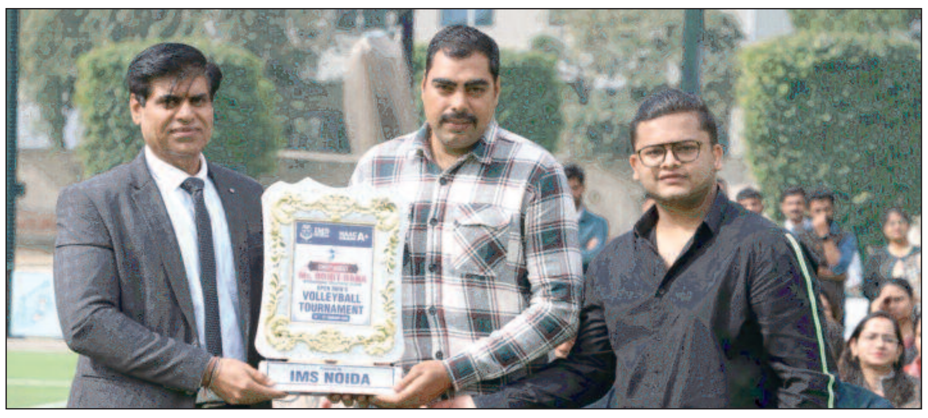

मैच खेलने के लिए प्रेरित किया। वहीं आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि खेल छात्रों के संपूर्ण विकास में सहायक होते हैं। छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेल की बारीकियां एवं खेल-कूद में करियर की संभावनाओं को भी ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी कर सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान रोहित राणा ने छात्रों को उत्साहित करते हुए कहा कि खेल में अनुशासन और निरंतर अभ्यास सफलता की कुंजी है। एक अच्छे खिलाड़ी को मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए नियमित अभ्यास और स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। उन्होंने छात्रों को वॉलीबॉल के तकनीकी पहलुओं और खेल में करियर बनाने के अवसरों के बारे में जानकारी दी।वहीं आईएमएस की स्पोर्ट्स कॉडिनेटर रीना मैसी ने बताया कि इस 3 दिवसीय वॉलीबॉल टूनार्मेंट में दिल्ली एनसीआर के 32 टीम हिस्सा ले रहे हैं। मंगलवार को कार्यक्रम के पहले दिन 18 टीम ने फस्ट राउंड खेला, जिसमें आईएमएस नोएडा की टीम ने नोएडा क्लब को, एमएच पब्लिक स्कूल ने जेएसबी एकेडमी को, एकेजी कॉलेज ने शैडो क्लब को,एसवीएम स्कूल ने बाल भारती स्कूल को एवं श्यामलाल कॉलेज ने नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी को क्रमशः 2-0, 3-2, 2-0, 2-0 एवं 2-0 की बढ़त के साथ जीत हासिल की।

पत्थर से प्रहार कर महिला को किया अधमरा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। मामूली विवाद में पिता-पुत्र समेत छह लोगों ने महिला पर पत्थर से हमला कर लहूलुहान कर दिया। महिला को मृत समझकर आरोपी घटनास्थल से भाग गए। करीब सात महीने बाद न्यायालय के आदेश पर मामले में छह आरोपियों के खिलाफ सेक्टर-39 थाने में केस दर्ज हुआ है। पुलिस नामजद आरोपियों से पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। न्यायालय में दिए प्रार्थनापत्र में सदरपुर निवासी राज देवी ने बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण और पोषण करती है। बीते साल 14 जून को हर रोज की तरह राज देवी काम पर गई और करीब दस बजे वापस लौट रही थीं। घर के पास सौरभ, उसके पिता मुरारीलाल, सौरभ के ससुर छोटू समेत छह लोगों ने घेर लिया और महिला के साथ गाली गलौज व बदसलूकी करने लगे। देखते ही देखते आरोपियों ने राज देवी के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इसी दौरान सौरभ के ससुर ने टाइल का पत्थर उठाया और राज देवी के कमर और सिर पर प्रहार कर दिया। महिला को अधमरी हालत में छोड़कर आरोपी वहां से फरार हो गए। महिला की गली में रहने वाले लोग जब उधर से गुजरे तो उन्हें राज देवी लहूलुहान हालत में मिली। इसके बाद महिला को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने के चलते घायल महिला को उपचार के लिए दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल भेजा गया। कई दिन तक महिला का उपचार चला। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद महिला ने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से की पर कोई सुनवाई नहीं है। ऐसे में उसने न्यायालय की शरण ली। अब इस मामले में सौरभ, मुरारीलाल, छोटू, अंकुर, गुड्डी और स्वीटी के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। अंकुर सौरभ का साला, गुड्डी सास और स्वीटी साली है।

एनआईए ने किंड्रिल कंपनी के साथ किया समझौता

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) ने आईटी टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और प्रबंधन के लिए आईटी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी किंड्रिल के साथ साझा समझौता पत्र यानी एमओयू पर साइन किया है। इस समझौते के तहत कंपनी को एयरपोर्ट संचालन के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ 24 घंटे राउंड **ओ क्लाक आईटी सपोर्ट देना होगा।** किंड्रिल 60 से अधिक देशों में काम करती है। ये कंपनी जटिल आईटी प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण और प्रबंधन में माहिर है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में कंपनी का काम एक मजबूत और सुरक्षित आईटी प्रणाली को स्थापित करना, यहां साइबर जोखिम को कम करना। साथ ही यहां के आईटी बेस्ड सिस्टम को समझकर उसके रिस्क को कम करते हुए संचालित करना होगा। ताकि यहां आने वाले मुसाफिरों को बिना किसी असुविधा के डिजिटल सेवाओं का लाभ मिल सके।

रिएल टाइम एक्टिवटी को हैंडल करेगी

बता दे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एक ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट है। इसलिए अनुबंधित कंपनी मुसाफिरों के लिए डिजिटल ऐप और आईटी से संबंधित सभी गतिविधियों को स्मूद करने और सिस्टम को एकीकृत करने में मदद करेगी। इसमें रियल टाइम सिस्टम को हैंडल करने के अलावा संचालन को प्रभावित करने वाले कारकों रोकने के लिए बुनियादी ढांचे का संचालन करना शामिल होगा।

एआई प्लेटफार्म का भी होगा यूज

साझेदारी के तह कंपनी किंड्रिल ब्रिज का उपयोग करेगी। ये एक एआई-संचालित प्लेटफॉर्म है। ये एआई ही एयरपोर्ट के आईटी हेल्थ पर 24/7 नजर रखेगा। यह प्रणाली संभावित समस्याओं के बढ़ने से पहले उनका पता लगाने में मदद करेगी। जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा किंड्रील साइबर खतरों के लिए भी मजबूत तंत्र बनाएगा।

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है।

घरेलू मेडिकल संस्थानों में उपलब्ध कुछ सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और इस तथ्य के कारण कि कुछ देश बहुत कम ट्यूशन फीस देते हैं, भारतीय छात्र अक्सर विदेश में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना चुनते हैं। इससे उन्हें अधिक किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। अन्य आकर्षक कारकों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना, निजी कॉलेजों में उच्च ट्यूशन फीस, अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना और कुछ देशों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा शामिल हैं। इसलिए, इन छात्रों का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना और भारत वापस आना है। (भले ही कुछ लोग विदेश में बसना चाहते हों, लेकिन यह प्रवृत्ति भारत में चिकित्सा प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों से बहुत अलग नहीं हो सकती है) । इसलिए, विदेशी चिकित्सा-स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने की उनकी क्षमता मुख्य चिंता है। क्या सरकार इसे समाप्त कर देगी और इसकी जगह सभी छात्रों के लिए एक परीक्षा लाएगी, चाहे डिग्री भारत से हो या विदेश से? मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है। कम ट्यूशन लागत, सुव्यवस्थित प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ, कई देश यात्रा के लिए पसंदीदा गंतव्य हैं। इन कारकों के कारण, छात्रों की बढ़ती संख्या भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रही है, जिससे यह गारंटी मिलती है कि वे अभी भी डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेजी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग 200, 000 से 300, 000 रुपये खर्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली है। छात्रों को एक बहुसांस्कृतिक सेटिंग से अवगत कराया जाता है जो उनके जीवन के अनुभवों और ज्ञान को व्यापक बनाता है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेशों में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहाँ चिकित्सा नियम ढीले होते हैं। चूँकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20, 000 से अधिक छात्र हर साल चीन, रूस और यूक्रेन जैसे देशों में विदेश में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं। लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी स्नातकों की पहुँच में देरी होती है क्योंकि उन्हें फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन लेने वाले 32, 000 भारतीय छात्रों में से केवल 4, 000 ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए, उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाएँ और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे बोझ हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24, 000 से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुकसान और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ। भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं। चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10, 000 और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, भारत में 75, 000 अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच बढ़ी है।

उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। कैरिबियन और मणिपाल कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (नेपाल) जैसे संस्थान प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय संस्थान पब्लिक, प्राइवेट, पार्टनरशिप मॉडल के तहत घरेलू स्तर पर विकसित हो सकते हैं। अधिक खुली प्रवेश प्रक्रियाओं और कई प्रवेश मार्गों को लागू करके नीट पर निर्भरता कम करना जरूरी है। चयन मानदंडों को व्यापक बनाने के प्रयास में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा ब्रिज कोर्स और वैकल्पिक प्रवेश प्रणाली का सुझाव दिया गया है। भारतीय छात्रों की सेवा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिसरों को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी और मणिपाल समूह के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से एक ऐसा मॉडल सुझाया गया है, जिसमें भारतीय मेडिकल स्कूल भारतीय नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं।

चिकित्सा शिक्षा और इंटर्नशिप को मजबूत करने के लिए, हमें ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान की गारंटी देते हैं। भारतीय चिकित्सा शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटर्नशिप की आवश्यकता है। रोगी देखभाल और व्यावहारिक कौशल पर जोर देने के लिए, 2019 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) पाठ्यक्रम लागू किया गया था। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नैदानिक अनुभव और चिकित्सा संकाय प्रशिक्षण में पैसा लगाना जरूरी है। एम्स और एनएमसी सुधारों द्वारा मेडिकल कॉलेजों के लिए आधुनिक सिमुलेशन लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। एकरूपता की गारंटी के लिए सरकारी और निजी मेडिकल स्कूलों का नियमित मूल्यांकन जरूरी है।

एनएमसी द्वारा प्रशासित नेशनल एग्जिट टेस्ट (एनईएक्सटी) , भारत और विदेशों दोनों से मेडिकल स्नातकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं को मानकीकृत करने का प्रयास करता है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, प्रोत्साहन और अधिक वेतन प्रदान करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) वंचित क्षेत्रों में एम्स जैसे संस्थान स्थापित करना चाहती है। प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना अति आवश्यक है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन पहल की बदौलत दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है, जिसने 14 करोड़ से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है। मेडिकल सीटें बढ़ाने, निजी कॉलेज ट्यूशन को नियंत्रित करने और एफएमजी एकीकरण को मजबूत करने की तीन-आयामी रणनीति आवश्यक है। संकाय मानकों और मेडिकल सीट वितरण के सम्बंध में एनएमसी के 2023 के सुधार सकारात्मक कदम हैं। इसके अलावा, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाना भारत की स्वतंत्रता की गारंटी देते हुए गुणवत्ता और पहुँच में सुधार कर सकता है। भारत से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस प्रवास के बारे में मेरी कोई बुरी नहीं है। भारत में, चिकित्सा शिक्षा बेहद महंगी है। प्रवेश की बाधाएँ तर्कहीन हैं। मुझे ऐसा लगता है कि बहुत से और छात्र डॉक्टर बनने में सक्षम हैं। भारत में और अधिक डॉक्टरों की सख्त जरूरत है, खासकर उन लोगों की जो देश के ग्रामीण इलाकों में काम करने के इच्छुक हैं। स्वास्थ्य सेवा में इन देशों की उपलब्धियों को देखते हुए, मध्य एशिया में चिकित्सा शिक्षा खराब नहीं है।

यदि वे भारतीय छात्रों के नामांकन का उपयोग क्षमता उपयोग बढ़ाने और अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के लिए करते हैं, तो वहाँ के कॉलेज अधिक प्रभावी और स्थायी रूप से कार्य करेंगे। अगर इससे भारतीय छात्रों के एक समूह को डॉक्टर बनने में मदद मिलती है तो यह दोनों पक्षों के लिए जीत वाली स्थिति है। असफलता की भी संभावना है। कुछ लोग भारत में काम करने की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। कुछ उप-एजेंट या निजी ठेकेदार अधिक छात्रों को आकर्षित करने के प्रयास में कुछ प्रासंगिक जानकारी को रोक सकते हैं। तब आपातकालीन स्थितियाँ हो सकती हैं, जैसे कि चीन में कोविड-19 महामारी या यूक्रेन में युद्ध। इनके परिणामस्वरूप छात्रों के एक समूह को महत्त्वपूर्ण नुकसान उठाना पड़ सकता है। भारत सरकार की नीति आपातकालीन स्थितियों में भी छात्रों की मदद करने में बहुत अच्छी नहीं है। विदेशों में चिकित्सा शिक्षा के सम्बंध में भारत सरकार की एकमात्र कार्यवाही भारत में अभ्यास के लिए योग्यता परीक्षा को और अधिक कठोर बनाना है। यह सवाल विवादास्पद है कि ऐसी परीक्षा कितनी कठिन होनी चाहिए। मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सराहनीय फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने कार्यस्थल पर वरिष्ठों के बर्ताव को लेकर बड़ा फैसला दिया है। कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट-फटकार को इरादतन किया गया अपमान नहीं माना जा सकता, जिस पर आपराधिक कार्यवाही की जरूरत हो। ऐसे मामलों में व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक आरोप लगाने की अनुमति देने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पीठ ने कहा महज गाली-गलौच, असभ्यता व अशिष्टता भारतीय दंड़ संहिता की धारा 504 के तहत आदतन किया गया अपमान नहीं है। यह धारा शांति भंग करने के इरादे से जान-बूझकर अपमान करने से संबंधित है, जिसमें दो साल की सजा का प्रावधान है। मामले में राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण संस्थान के कार्यवाहक निदेशक पर सहायक प्रोफसर को अपमानित करने का आरोप था। शिकायतकर्ता के अनुसार निदेशक ने अन्य कर्मचारियों के समक्ष डांटा व फटकारा था। यह सच है कि कार्यस्थल से संबंधित अनुशासन और कर्तव्यों के निर्वहन से जुड़ी फटकार, जो व्यक्ति कार्यस्थल पर प्रबंधन करता है, वह अधीनस्थों से अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा व समर्पण से पूरी करने की उम्मीद करेगा। हालांकि स्पष्ट तौर पर देखने में आता है कि अनुशासन के नाम पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थों के साथ संतुलित बर्ताव का अभाव नजर आता है। लहजा गलत हो भी तो नीयत बुरी नहीं होनी चाहिए, परंतु इस बारीक अंतर को समझना या समझा पाना भी आसान नहीं है। सेना के सख्त अनुशासन के दरम्यान कई बार ऐसी खबरें आती रहती हैं, जहां नीचे के ओहदे के सैनिक द्वारा अपने अधिकारी की हत्या तक कर दी गई। तय रूप से काम का दबाव, उच्च दर्जे की तामील, पाबंदियां और तय वक्त पर जिम्मेदारियों का निर्वहन अधिकारियों के जेहन पर खासा दबाव बनाते हैं। वे भी तनावग्रस्त या काम के बोझ के चलते सामान्य बर्ताव करने से चूक सकते हैं। यहां बात सिर्फ उच्चाधिकारियों या कनिष्ठों तक ही सीमित नहीं है। कार्य-स्थल पर अभद्र भाषा या गाली-गलौच करने वाले अशिष्ट अधिकारियों के बर्ताव को लेकर भी कर्मचारी क्षुब्ध रहते हैं। ज्यों कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ होने वाले उत्पीड़न व अभद्र बर्ताव को लेकर कानून बनाए गए हैं। वैसे ही समस्त कर्मचारियों के हित में भी व्यवहारगत संहिता लागू किए जाने की जरूरत है। मानवता कहती है, ओहदे ऊपर-नीचे होने से दोयम बर्ताव करने का हक किसी को नहीं दिया जा सकता। यह नियम मालिकान व मुलाजिम पर भी लागू होता है।

चिंतन-मनन

ईश्वर हमेशा भक्तों की सहायता करता है

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्रों कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढ़े में गिर गये। गड्ढ़े से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढ़े से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया। बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छ सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था।...

केजरीवाल की हठधर्मिता ने डुबोई आप की नैय्या

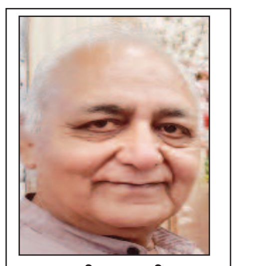

तनवीर जाफ़री

दिल्ली की 70 सदस्यों की विधान सभा हेतु हुए 2015 के चुनाव में 70 में से 67 सीटें तथा 2019 में दिल्ली की सातवीं विधानसभा चुनाव में 62 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त करने वाली आम आदमी पार्टी पिछले दिनों दिल्ली चुनाव की जंग हार गयी। भारतीय जनता पार्टी को जहां पूर्ण बहुमत के साथ जहां 48 सीटें हासिल हुई वहीं आप को केवल 22 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। आप के लिये सबसे बड़ा झटका यह भी रहा कि सत्ता गंवाने के साथ ही उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल सहित पार्टी के और भी कई दिग्गज नेता चुनाव हार गये। कुछ राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की पराजय से पार्टी के अंत की शुरूआत हो चुकी है। यदि ऐसा है तो वास्तव में इसका जिम्मेदार कौन है ? क्या वजह थी कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में 43.57 प्रतिशत मत प्राप्त होने के बावजूद आप को केवल 22 विधानसभा सीटों पर ही जीत हासिल हुई जबकि भाजपा ने मात्र दो प्रतिशत अधिक यानी 45.56 प्रतिशत मत प्राप्त कर 48 सीटों पर जीत दर्ज की। नतीजों से साफ है कि भाजपा ने त्रिकोणीय संघर्ष का लाभ उठाकर ही आम आदमी पार्टी से 26 सीटें अधिक हासिल कीं और दिल्ली की सत्ता आप के हाथों से झटक ली। हालांकि हार के बावजूद आम आदमी पार्टी के इस तर्क को भी नकारा नहीं जा सकता कि बावजूद इसके कि बीजेपी के साथ प्रोपेगंडा,सरकार की सारी मशीनरी ,मीडिया,धनबल व बाहुबल सब कुछ थे,फिर भी उसे आप से मात्र दो प्रतिशत ही ज्यादा वोट मिले हैं।

सवाल यह है कि 2011 में यू पी ए सरकार के विरुद्ध भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बाद 26 नवंबर 2012 को देश के अनेक बुद्धिजीवियों द्वारा अरविन्द केजरीवाल के राष्ट्रीय संयोजकत्व में स्थापित की गयी आम आदमी पार्टी जोकि न केवल दिल्ली में सत्ता में थी बल्कि वर्तमान समय में देश के समृद्ध राज्य पंजाब में भी सत्तारूढ़ है वही नया नवेला राजनैतिक दल आखिर किन वजहों से और किन परिस्थितियों में इस अंजाम तक जा पहुंचा कि आज आप के अंत पर चर्चा छिड़ गयी है ? सच पूछिये तो दिल्ली में भाजपा की संभावित फतेह की सुगबुगाहट तो दरअसल उसी समय शुरू हो गयी थी जबकि आप ने विगत अक्टूबर 2024 को हरियाणा में हुये विधानसभा चुनाव में इण्डिया गठबंधन घटक का सदस्य होने के बावजूद राज्य की 89 सीटों पर चुनाव लड़ा और कांग्रेस को हरियाणा की सत्ता में वापसी से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गौरतलब है कि कांग्रेस हरियाणा में 90 में 7 सीटें आप के लिये छोड़ने को तैयार थी परन्तु केजरीवाल की जिद थी कि कांग्रेस उसे 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करने दे। इस बात पर दोनों दलों में समझौता नहीं हो सका। और आप ने 89 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिये। नतीजतन अअढ को राज्य भर में केवल 1.53% वोट प्राप्त हुए। जिन्होंने कांग्रेस को हराने व भाजपा को जिताने में अहम भूमिका निभाई। 2024 में आप द्वारा 10 सीटें तब मांगीं जा रही थीं जबकि 2019 में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर ठडळअ से भी काफी कम था। इसी हरियाणा चुनाव परिणाम के बाद ही दिल्ली में भी इसी तरह के चुनाव परिणाम की उम्मीद की जाने लगी थी। जाहिर है ऐसे विध्वंसक फैसले लेने के लिये स्वयं अरविन्द केजरीवाल ही जिम्मेदार थे। वैसे भी 2012 में आप अपने गठन के साथ ही उस समय विवादों में आ गयी थी जबकि अन्ना हजारे ने केजरीवाल द्वारा आम आदमी पार्टी के रूप में नया राजनैतिक दल बनाने की कोशिश का विरोध किया था। हालांकि अन्ना हजारे व केजरीवाल दोनों ही नेताओं को लेकर एक बड़े राजनैतिक विश्लेषक वर्ग का यह भी मानना है कि अन्ना आंदोलन हो या केजरीवाल की तर्ज -ए -सियासत,दरअसल यह सब कांगेस के विरोध में तथा भाजपा को फायदा पहुँचाने के लिये रचा गया एक बड़ा राजनैतिक चक्रव्यूह है,अन्यथा क्या कारण है कि जिस जनलोकपाल को लेकर आंदोलन व राजनैतिक दल खड़ा किया गया था उसका जिक्र इन्हीं नेताओं के मुंह से अब क्यों सुनाई नहीं देता। पिछले दस सालों में बड़े से बड़े घोटाले उजागर हुये, उनके विरोध अन्ना हजारे ने आंदोलन क्यों नहीं किया ?

इसके अलावा आप के गठन के फौरन बाद ही जिसतरह पार्टी के संस्थापक लोगों व अनेक बुद्धिजीवियों द्वारा पार्टी छोड़ने का सिलसिला शुरू हुआ उसका भी मुख्य कारण केजरीवाल का जिद्दीपन व उनकी हठधर्मिता ही थी। क्या वजह थी कि आम आदमी पार्टी को सबसे पहले चंदा देने वाले पूर्व कानून मंत्री सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील शांति भूषण जिन्होंने पार्टी की स्थापना पर 1 करोड़ रुपए का चंदा दिया था, 2014 से ही उनका आप से मोहभंग हो गया ? शांति भूषण ने उसी समय केजरीवाल को अनुभवहीन, दिल्ली विधानसभा चुनावों में टिकट बंटवारे में गड़बड़ी करने व पार्टी में मनमानी चलाने जैसे अनेक आरोप लगाए थे। इसी तरह केजरीवाल के एक और खास साथी एक्टिविस्ट आशीष खेतान, एक प्रसिद्ध टीवी न्यूज चैनल के मैनेजिंग एडिटर के पद से इस्तीफा देकर आम आदमी पार्टी में शामिल होने वाले आशुतोष,पार्टी का थिंक टैंक व पार्टी की कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वाले प्रशांत भूषण जैसे साथियों को केजरीवाल संभाल नहीं सके। इसी तरह राजनीतिक विचारक योगेंद्र यादव को जोकि आम आदमी पार्टी के लिए चुनावी रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाते थे उन्हें भी प्रशांत भूषण के साथ ही पार्टी विरोधी गतिविधि ?ों के आरोप में पार्टी से निकाल दिया गया। समाजशास्त्री आनंद कुमार, पैथोलॉजिस्ट अंजली दमानिया, सामाजिक कार्यकर्ता मयंक गांधी,किरन बेदी ,शाजिया इल्मी, विनोद कुमार बिन्नी,कपिल मिश्रा,एमएस धीर सहित और भी कई नेता या तो पार्टी छोड़ गये या फिर निष्क्रिय हो गये। ऐसे सभी नेता केजरीवाल के साथ काम कर पाने में स्वयं को असहज महसूस कर रहे थे। परिणामस्वरूप अनेक साथी नेताओं के मना करने के बावजूद केजरीवाल अपनी जिद में ही दिल्ली में विवादित शराब नीति लाये जोकि उनकी राजनैतिक तबाही व बदनामी का कारक साबित हुई।

दुष्कर्म: विवाह के झूठे वादों से बढ़ते मामले

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल झूठी शादी की शपथ की आड़ में कई हजार बलात्कार के मामले दर्ज किए जाते हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अतुल गौतम मामले में 2025 में दिए गए फैसले से यह सवाल उठता है कि न्यायिक व्याख्याएं महिलाओं की स्वायत्तता और कानूनी सुरक्षा को कैसे प्रभावित करती हैं? बलात्कार और सेक्स के लिए सहमति देना स्पष्ट रूप से अलग-अलग है। इन स्थितियों में, न्यायालय को सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए कि क्या शिकायतकर्ता की पीड़िता से शादी करने की वास्तविक इच्छा थी या उसके कोई छिपे हुए उद्देश्य थे और उसने केवल अपनी वासना को शांत करने के लिए इस आशय का झूठा वादा किया था, क्योंकि बाद वाले को धोखा या छल माना जाता है। इसके अतिरिक्त, झूठा वादा न निभाने और उसे तोड़ देने में अंतर है।

अभियुक्त द्वारा अभियोक्ता को यौन गतिविधि में शामिल होने के लिए लुभाने के इरादे के बिना किया गया वादा बलात्कार के रूप में मान्य नहीं होगा। अभियोक्ता अभियुक्त द्वारा बनाए गए झूठे प्रभाव के बजाय उसके प्रति अपने प्यार और जुनून के आधार पर अभियुक्त के साथ यौन संबंधों के लिए सहमति दे सकती है। वैकल्पिक रूप से, अप्रत्याशित या अनियंत्रित परिस्थितियों के कारण ऐसा करने का इरादा होने के बावजूद अभियुक्त उससे शादी करने में असमर्थ हो सकता है। इन स्थितियों को अलग तरीके से संभालने की जरूरत है। बलात्कार का मामला तभी स्पष्ट होता है जब शिकायतकर्ता का कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा या गुप्त उद्देश्य हो। अतुल गौतम बनाम इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निदेशों का उल्लंघन करता है। यह फैसला अपर्णा भट बनाम के विपरीत है। 2021 के मध्य प्रदेश राज्य के फैसले में आरोपी और पीड़ित को द्वितीयक आघात से बचने के लिए जमानत पर रहते हुए संवाद करने से मना किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी के लिए, जमानत की आवश्यकताओं को आरोपी और उत्तरजीवी के बीच संचार के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। यह विचार कि विवाह बलात्कार के लिए एक उपाय है न कि अपराध के लिए सजा, ऐसी जमानत आवश्यकताओं द्वारा पुष्ट होता है, जो सामाजिक समझौते को कानून के शासन से आगे रखता है। रामा शंकर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2022) में जमानत देते समय इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने प्रतिवादी के खिलाफ अभियोजन पक्ष के मामले को कमजोर कर दिया। उत्तरजीवी को जमानत प्राप्त करने के लिए आरोपी द्वारा विवाह के लिए मजबूर किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप कानूनी व्यवस्था के भीतर निरंतर दुर्व्यवहार हो सकता है। अभिषेक बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2024) ने न्याय की गारंटी देने के बजाय, अभियुक्त को विवाह के वादे के बदले में जमानत देकर एक दबावपूर्ण गतिशीलता बनाई। जो उत्तरजीवी को उचित पुनर्वास सहायता प्राप्त करने के बजाय अभियुक्त पर निर्भर रहने के लिए मजबूर करता है। किशोरों के निजता के अधिकार (2024) में न्यायालय द्वारा उत्तरजीवियों और बच्चों को आवास, शिक्षा और परामर्श प्रदान करने के राज्य के दायित्व पर प्रकाश डाला गया था। जमानत का उद्देश्य सामाजिक कर्तव्यों को लागू करना नहीं है, बल्कि मामला लंबित रहने तक अस्थायी स्वतंत्रता की गारंटी देना है। न्यायालयों ने पिछले कई निर्णयों में एक पीड़ित के पुनर्वास को विवाह के बराबर माना है, बलात्कार को शारीरिक स्वायत्तता के उल्लंघन के रूप में स्वीकार करने में विफल रहे। न्यायालय महिलाओं की स्वायत्तता को कमजोर करते हुए अपराधियों के साथ विवाह करने के लिए पीड़ितों पर दबाव डालकर कानूनी संरक्षण के तहत दुर्व्यवहार और नियंत्रण को बढ़ावा देते हैं। विवाह को उपाय मानने वाली अदालतें पीड़ित की सहमति की कमी को नजरअंदाज करती हैं, जिसका अर्थ है कि जबरदस्ती को कानूनी रूप से उचित ठहराया जा सकता है।

महिलाओं को लगातार आघात और सुरक्षा जोखिमों के बावजूद अक्सर अपने दुर्व्यवहार करने वालों के साथ 'समझौता विवाह' में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हुए, जो महिलाओं की स्वायत्तता और गरिमा की रक्षा करता है, ऐसे निर्णय महिलाओं को उनकी इच्छा के विरुद्ध संबंधों में मजबूर करके उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, जबरन विवाह अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हैं, जिससे पीड़ितों को न्याय के बजाय अधिक शोषण का सामना करना पड़ता है। ये निर्णय इस धारणा को बनाए रखते हैं कि विवाह यौन हिंसा को हल कर सकता है, इन घटनाओं को गंभीर अपराधों के बजाय नागरिक विवादों में बदल देता है। रिश्ते की जटिलता और धोखाधड़ी के इरादे के बीच अंतर करने के लिए एक अच्छी तरह से कानूनी रणनीति की आवश्यकता होती है। कानूनी सुरक्षा को मजबूत करके और लिंग-संवेदनशील न्यायिक प्रशिक्षण प्रदान करके न्याय किया जा सकता हैङ्क जो लैंगिक समानता के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

दिल्ली में सुबह बादल छाए, हल्की बारिश के आसार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार की सुबह आसमान में बादल छाए रहे और मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश एवं बूंदाबांदी होने का अनुमान व्यक्त किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में रोहिणी, बादली, पीतमपुरा, मुंडका, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, राजौरी गार्डन, बुद्ध जयंती पार्क, जाफरपुर, नजफगढ़, द्वारका, दिल्ली कैंट, पालम, वसंत विहार, वसंत कुंज और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश के आसार हैं। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.2 डिग्री अधिक है। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 91 प्रतिशत था। आईएमडी के अनुसार, अधिकतम तापमान के 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 211 के साथ 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 'संतोषजनक', 101 से 200 'मध्यम', 201 से 300 'खराब', 301 से 400 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

परिजनों ने पांबदी लगाई तो नाबालिग घर छोड़ कर भाग गया

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) टीम ने अपने घर से लापता एक 14 वर्षीय नाबालिग को ढूंढ कर उसके परिजनों से मिलाया है। नाबालिग दिल्ली के दिलशाद गार्डन इलाके से बरामद किया गया है। पुलिस टीम ने कानूनी कार्रवाई पूरी कर नाबालिग को परिजनों को सौंप दिया है। नाबालिग ने बताया कि उसके परिजनों ने उस पर पढ़ाई और अन्य कई चीजों को लेकर पाबंदी लगाई हुई थी। जिससे वह परेशान था। इसलिए उसने घर छोड़ने का फैसला किया। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 12 फरवरी को पालम गांव थाने में एक नाबालिग लड़के के गुमशुदा होने की शिकायत मिली। एएचटीयू टीम में तैनात एएसआई मुकेश और हेडकांस्टेबल संगीता की टीम को जांच सौंपी गई। टीम ने बच्चे के परिवार और दोस्तों से मुलाकात की और उसकी तस्वीर को कई संस्थानों, पुलिस अधिकारियों और ज्ञात व्यक्तियों के साथ साझा किया। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और डोर टू डोर अभियान के जरिए नाबालिग को दिलशाद गार्डन इलाके से ढूंढ निकाला।

भाजपा विधायक ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्मंत्री पर विधानसभा कार्यालय से समान चोरी का लगाया आरोप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पटपड़गंज से विधायक रविंद्र सिंह नेगी ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के पूर्व विधायक मनीष सिसोदिया पर विधानसभा कार्यालय से सरकारी समान क चोरी का आरोप लगाया। रविंद्र सिंह नेगी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट करके कहा कि आम आदमी पार्टी से पटपड़गंज के पूर्व विधायक मनीष सिसोदिया ने चुनाव से पहले ही अपना असली चेहरा दिखा दिया था। विधानसभा कैंप कार्यालय से एसी, टीवी, टेबल, कुर्सी और पंखे जैसे सामान चुराए गए। नेगी ने सिसोदिया पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने कार्यालय से समान गायब कर दिया। ऑफिस पूरी तरह से खाली है। ये लोग चोर है, ये नही सोचते की अगला विधायक कहां बैठेगा। रविंद्र सिंह नेगी ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया ने 12 साल तक इस ऑफिस में काम किया था। जो कि पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाया गया था। यहां विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न फर्नीचर और अन्य चीजें उपलब्ध कराई गई थीं। लेकिन जब पीडब्ल्यूडी ने इसे मुझे सौंपा, तो लगभग 250 कुर्सियां, टीवी, साउंड सिस्टम, सोफा, टेबल और एसी गायब थे। यहां तक कि वह दरवाजे और एग्जॉस्ट फैन भी अपने साथ ले गए। यह सब सरकार की संपत्ति थी। सभी चीजों को यहीं छोड़ना उनका कर्तव्य था। यह एक सरकारी कार्यालय था, लेकिन इसका इस्तेमाल चुनावी उद्देश्यों के लिए किया गया था। भाजपा ने इसकी शिकायत की, लेकिन ये लोग संविधान का पालन नहीं करते। उन्होंने कहा कि इनकी भ्रष्टाचार की हदें अब भी पार नहीं हुईं। अब ये अपनी असलियत और चोरी छिपाने की राजनीति में माहिर हो गए हैं। भाजपा जनता के हक की रक्षा करेगी और भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करेगी।

राशन दुकानदारों ने विधायक चौधरी जुबैर अहमद का किया गर्मजोशी से स्वागत

नई दिल्ली। सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के राशन दुकानदारों की यूनियन ने आज यहां केतवाड़ा उस्मानपुर में नवनिर्वाचित विधायक चौधरी जुबैर अहमद के सम्मान में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया। जिसमें विधायक चौधरी जुबैर अहमद का फूलों की माला पहना कर जोरदार स्वागत किया गया तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष महेश जिंदल ने की। जबकि स्टेज का संचालन राजेंद्र प्रधान ने किया।इस अवसर पर राशन दुकानदारों ने विधायक चौधरी जुबैर अहमद से राशन की दुकानों के संबंध में विस्तृत चर्चा की, और अवगत कि हमारी 8 महीने से कमीशन का नहीं आना, के सम्बन्ध मे, माल देर से आने के सम्बन्ध मे और सभी समस्या के बारे मे बताया. जिसे ध्यानपूर्वक सुनने के बाद चौधरी जुबैर अहमद ने जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया तथा कहा कि वह सभी राशन दुकानदारों की सभी मांगों को लेकर अधिकारियों से मिलेंगे तथा आप सभी की आवाज को बुलंद करेंगे।चौधरी जुबैर अहमद ने कहा कि वह सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र की सभी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।इस अवसर पर प्रमुख रूप से संजय गुप्ता, अनिल जैन, मजहर मुहम्मद, सैयद नासिर जावेद, संजय गुप्ता, दिनेश तिवारी, विजय पाठक, सीता राम मिश्रा, इकराम अहमद, आशीष शर्मा, जरार अहमद, अल्ताफ इदरीसी, शादाब हसन, मोहम्मद राशिद के नाम उल्लेखनीय हैं।

लूट के साथ हत्या का मामला सुलझा, तीन बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की सराय रोहिल्ला थाना पुलिस की टीम ने लूट के साथ हत्या का मामला सुलझाते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूटी गई अल्ट्रासाउंड मशीन, एक लैपटाप, बैग, पासबुक, चेक बुक और अन्य सामान बरामद हुआ है। इसके अलावा अपराध में इस्तेमाल की गई कार भी बरामद की गई। गिरोह का सरगना झोलाछाप डॉक्टर है जो क्लीनिक चलाता है। उसे अपने क्लीनिक के लिए अल्ट्रासाउंड मशीन की जरूरत थी, जब उसकी पीड़ित से पैसों में बात नहीं बनी तो उसने साथियों के साथ उसे लूटने की साजिश रची और पीड़ित की हत्या कर अल्ट्रासाउंड मशीन और अन्य जरूरी सामान लेकर फरार हो गए। आरोपितों की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी मोहम्मद प्रवेज आलम के रूप में हुई है जो क्लीनिक चलाता है। इसके अलावा मुरादाबाद निवासी मोहम्मद नासिर और जिला बागपत निवासी निखिल कुमार के रूप में हुई है। दोनों क्लीनिक में वार्ड ब्वाय का काम करते थे।

यमुना सफाई अभियान प्रदूषण रोकने के लिए दिल्ली सरकार सख्त

–यमुना को गंदा करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना नदी में अब लोग कूड़ा कचरा व पूजा सामग्री नहीं डाल सकेंगे। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि यमुना नदी में पूजा सामग्री आदि फेंकने वाले लोगों को जागरूक किया जाए तथा यमुना नदी के किनारों पर पूजा सामग्री आदि रखने के लिए स्थान बनाए जाएं। इसके बाद भी अगर लोग नहीं मानते हैं तभी विभाग आगे की कार्रवाई पर विचार करे। अगले तीन साल में यमुना नदी को साफ कर दीजिए जाने का नई सरकार का लक्ष्य निर्धारित होने के बाद दिल्ली का सरकारी हमला भी सक्रिय हो गया है। मुख्य सचिव धर्मेंद्र ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि यमुना में पूजा सामग्री कूड़ा कचरा आदि फेंकने वालों पर रोक लगाई जाए। जिन स्थान से यमुना में सामग्री फेंकी जाती है उनको बंद किया जाए।

सरकार के सूत्रों ने कहा कि मुख्य सचिव ने यह बात विशेष रूप से कही है कि इसके लिए लोगों को जागरुक किया जाना बहुत जरूरी है। उन्हें इस बात का एहसास कराया जाए कि यमुना में पूजा सामग्री आदि कचरा फेंककर वह यमुना को प्रदूषित कर रहे हैं। लोग जब यह बात समझ लेंगे तो स्वयं ही यमुना को प्रदूषित करना बंद कर देंगे। इसके साथ ही यमुना के दोनों किनारों पर पूरा सामग्री रखने के लिए स्थान बनाए जाएं और सामग्री के एकत्रित होने पर उसे समानपूर्वक समाप्त किया जाए।

यमुना को प्रदूषित करने वालों पर हो सकती है कार्रवाई

इस बात का भी विशेष ध्यान रखा जाए कि किसी की भावनाएं आहत नहीं हों। उन्होंने निर्देश में यह भी कहा है कि इसके बाद भी अगर लोग यमुना को प्रदूषित कराना नहीं रोकते हैं तो आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाए।

2027 तक यमुना को साफ करने का रखा गया लक्ष्य

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अपनी कार्ययोजना के बारे में बताया कि दिल्ली सरकार शहर में सभी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को पूरी तरह से चालू कर देगी, जिसमें छह नए स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि अगले दो सालों में यमुना में सीवरेज और औद्योगिक अपशिष्टों के प्रवाह को पूरी तरह से रोका जा सके और दिसंबर 2027 तक यमुना को साफ किया जा सके।

कुंभ के चलते दिल्ली से प्रयागराज का सफर हुआ महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज में कुंभ स्नान के चलते टूरिस्ट वाहनों की बुकिंग में भी काफी तेजी है। मांग इतनी है कि टूरिस्ट वाहन संचालक उसे पूरा नहीं कर पा रहे हैं। क्योंकि, वाहन कम पड़ जा रहे हैं। दूसरे राज्यों से टूरिस्ट बसें व टेंपो ट्रैवलर मंगाकर दिल्ली वालों को प्रयागराज भेजकर कुछ स्थिति में सुधार की कोशिश की जा रही है, लेकिन सड़क मार्ग पर लगने वाला जाम राह मुश्किल कर रहा है।

मामले के जानकारों के अनुसार, हाल के दिनों में प्रयागराज की बुकिंग में 40 प्रतिशत की तेजी आई है। यह इसलिए क्योंकि, अब कुंभ के संपन्न होने में चंद दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में बचे लोग तय तिथि में कुंभ स्नान के भरसक प्रयास में है। इस स्थिति में जबकि ट्रेनों में टिकट कंफर्म नहीं मिल रहा है। साथ ही रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ है। तब लोग सड़क मार्ग के जरिए भी प्रयागराज पहुंचने की कोशिश में है।

दिल्ली के पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों के अनुसार, मौजूदा समय में प्रतिदिन दिल्ली से प्रयागराज 700 से अधिक पर्यटन वाहन बुकिंग पर जा रहे हैं। इसमें 350 के करीब टूरिस्ट बसें, 150 टेंपो ट्रैवलर व 200 अन्य टूरिस्ट वाहन है। यह मांग रोडवेज की बसों से अलग है।

पैकेज में कुंभ व साथ ही अयोध्या व काशी का भी दर्शन

मांग अधिक होने की वजह से टूरिस्ट बसों व टेंपो ट्रैवलर संचालकों ने किराया भी बढ़ा दिया है। यह बढ़ोत्तरी 30 प्रतिशत से लेकर किसी-किसी मामले में 50 प्रतिशत तक है। उसमें भी कई बुकिंग प्रयागराज के साथ ही काशी और अयोध्या का भी पैकेज है। कुंभ स्नान का पैकेज दो से तीन दिन तो बाकि दो स्थानों को लेकर यह तीन से चार दिन का है।

आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआइएमटीसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश सब्बरवाल के अनुसार यह मांग अप्रत्याशित है। उन लोगों ने 40 वर्षों के व्यवसायिक अनुभव में ऐसी मांग नहीं देखी है। वह कहते हैं कि हर कोई कुंभ में जाना चाहता है।

यात्रा के घंटे पहले के मुकाबले में कितने बढ़े?

अब जबकि, कुंभ संपन्न होने की ओर है तो यह मांग और बढ़ी है, जिसे पूरा करने में हरिद्वार, आगरा, मेरठ, अंबाला व अमृतसर समेत शहरों से टूरिस्ट वाहनों को मंगाया जा रहा है, लेकिन हर जगह वाहनों की किल्लत है।

ऊपर से प्रयागराज के रास्ते में जाम मुश्किलें बढ़ा दे रहा है। जो यात्रा 12 घंटे में पूरी होनी चाहिए, उसमें 16 से 20 घंटे तक लग जा रहे हैं। उसमें भी प्रयागराज से पहले ही वाहनों को रोक दिया जा रहा है। इसके चलते खर्च और दिन बढ़ जा रहे हैं।

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट के अनुसार, कुंभ से दिल्ली के पर्यटन वाहन उद्योग को जबरदस्त काम मिला है। स्थिति यह कि जितनी बुकिंग आ रही है, उसके मुकाबले वाहन कम पड़ जा रहे हैं।

हर बुकिंग करने वाले समूह 26 फरवरी तक कुंभ हो आना चाह रहा है। क्योंकि, महाशिवरात्रि के दिन कुंभ का आखिरी स्नान है। बुकिंग करने वालों में कॉलोनियों के निवासी, व्यापारी वर्ग व निजी तौर पर भी है।

45 सीटों वाली बस कितना ले रही किराया?

मांग अधिक है तो टूरिस्ट वाहनों का किराया भी बढ़ गया है। जो 45 सीटों वाली बस आम दिनों में प्रयागराज आने-जाने का किराया 90 हजार रुपये लेती, वह एक लाख 20 हजार रुपये तक वसूल रही है। इसी तरह, टेंपो ट्रैवलर का किराया 40 हजार से बढ़कर 60 हजार रुपये तक हो गया है।

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित

नई दिल्ली। तरुण मित्र परिषद् द्वारा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए। परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि परिषद सभागार में आयोजित एक सादे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्षद अल्का राघव ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि तरुण मित्र परिषद देश के विभिन्न राज्यों में दिव्यांग कैम्पों का आयोजन कर, दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ व पैर, पोलियोकैलिपर्स, ऑर्थोशूज व श्रवणहीन बुजुर्गों को श्रवणयंत्र प्रदान कर सराहनीय कार्य कर रही है। परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन (मनोनीत निगम पार्षद) ने कहा कि परिषद द्वारा 2 मार्च को सम्मेद शिखर, मधुबन के जिला गिरिडीह में आयोजित 55वें दिव्यांग कैम्प में 110 दिव्यांगजनों को यह सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे और 56वां दिव्यांग कैम्प 8 मार्च को भुवनेश्वर, उड़ीसा में लगाया जाएगा। इस अवसर पर परिषद के संगठन सचिव राकेश जैन, सहसचिव आलोक जैन, राम किशोर शर्मा व रविन्द्र कुमार जैन उपस्थित थे।

डीयू ने सघन पौधारोपण अभियान चलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए शहर सघन पौधारोपण अभियान चलाया और लोगों को इसमें हिस्सा लेने का आह्वान किया। डीयू और एक गैर-सरकारी संगठन ने मिलकर यह कदम उठाया है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर गंभीर है। विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यों के दौरान जहां भी वृक्ष बीच में आते हैं, उन्हें काटने की बजाए दूसरी जगह लगाने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण और विस्तार कार्यों के लिए कई बार वृक्षों को हटाना पड़ता है, इसलिए दिल्ली विश्वविद्यालय में उपयुक्त स्थानों की पहचान करके सघन वृक्षारोपण पर और भी काम होना चाहिए, ताकि हरियाली कायम रहे।

कुलपति ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेवारी को लेकर गंभीर है।

विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यों के दौरान जहां भी वृक्ष बीच में आते हैं, उन्हें काटने की बजाए दूसरी जगह लगाने पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों और विस्तार कार्यों के लिए कई बार वृक्षों को हटाना तो पड़ता है, इसलिए दिल्ली विश्वविद्यालय में उपयुक्त स्थानों की पहचान करके सघन वृक्षारोपण पर और भी काम होना चाहिए, ताकि हरियाली कायम रहे। कुलपति ने कहा कि यह उद्यम न केवल पर्यावरणीय स्थिरता के लिए हमारे विश्वविद्यालय के समर्पण को दर्शाता है, बल्कि अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए अनुकरणीय मॉडल के रूप में भी कार्य करेगा। कुलपति ने कहा कि वायु प्रदूषण से निपटना और हमारे शहरों में पारिस्थितिकी संतुलन बहाल करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। दिल्ली विश्वविद्यालय उद्यान समिति की अध्यक्ष प्रो. रूपम कपूर ने बताया कि डीयू आर्ट्स फ़ैकल्टि के पास 300 वर्ग मीटर के एक छोटे से भूखंड पर विकसित यह शहरी वृक्षारोपण जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी द्वारा अग्रणी प्रसिद्ध मियावाकी तकनीक के आधार पर बनाया गया है। यह तकनीक घने समूहों में देशी पेड़ों और झाड़ियों के रोपण पर जोर देती है, जो इसे सीमित भूमि संसाधनों वाले शहरी क्षेत्रों के लिए एक आदर्श समाधान बनाती है।

भाजपा नेताओं ने नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले रामलीला मैदान में व्यवस्थाओं का जायजा लिया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं पार्टी नेता तरुण चुघ मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए रामलीला मैदान पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेता तरुण चुघ ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को भरपूर आशीर्वाद दिया है। पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक हर जगह जनता प्रधानमंत्री पर विश्वास करती है। उनके शब्दों और काम पर जनता को भरोसा है। 20 फरवरी को एक ऐतिहासिक कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। दिल्ली का हर व्यक्ति इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ-साथ उनकी पूरी कैबिनेट, भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ करीब एक लाख लोग इसमें शामिल होने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने 27 साल बाद दिल्ली में आठ फरवरी को विधानसभा चुनाव में 70 सीटों में 48 सीटों पर ऐतिहासिक जीत हासिल की। 22 पर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने जीत दर्ज की, वही कांग्रेस के हाथ कुछ नहीं लगा।

ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से होगा दिल्ली के लोगो का भला : गुरमीत सिंह सूरा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनने जा रही है वहीं दिल्ली नगर निगम में भी आम आदमी पार्टी बहुमत खो चुकी है और अगले सत्र में निगम की सत्ता पर भी भाजपा काबिज होगी इसमें कोई संदेह नहीं है। यह कहना है पूर्वी दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गुरमीत सिंह सूरा का। गुरमीत सिंह सूरा का कहना है भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार बनने से दिल्ली की जनता को लाभ मिलेगा और लोगो के जरूरी काम आसानी से हो जाया करेंगे। गुरमीत सिंह सूरा कहते है भाजपा की डबल इंजन की सरकार तो बन ही चुकी है दिल्ली नगर निगम में भी भाजपा बहुमत का आंकड़ा छू चुकी है और महापौर के चुनाव में इस बार भाजपा का जीतना तय है। और इस तरह राजधानी दिल्ली में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार तथा दिल्ली नगर निगम सभी जगह भाजपा का शासन होगा जिसका सीधे –सीधे जनता को फायदा होगा। लोगो को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आसानी हो जायेगी। और जनता को ट्रिपल इंजन सरकार का फायदा मिलेगा। गुरमीत सिंह सूरा कहते है जिस तरह लोक सभा चुनावों में देश तथा दिल्ली की जनता नें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया था इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता नें मोदी जी की गारंटी पर भरोसा जताया जिसका परिणाम यह रहा कि विधानसभा चुनावों में भाजपा को प्रचंड जीत मिली। जहां तक नगर निगम का सवाल है विधानसभा चुनाव से पहले निगम के सदन में आम आदमी पार्टी का बहुमत था लेकिन धीरे–धीरे आप पार्टी बिखरने लगी और भाजपा तथा आम आदमी संख्या बल के आधार पर सदन में बराबरी पर आ चुकी है जबकि आप पार्टी के पार्षदों का भाजपा में शामिल होने का सिलसिला लगातार जरी है। क्योंकि आप पार्टी एक डूबता हुआ जहाज है यह बात जनता नें तो साबित कर ही दी अब आप पार्टी के नेता और पार्षद भी समझ रहे हैं। गुरमीत सिंह सूर कहते हैं करीब एक दर्जन पार्षद विधायक बन चुके हैं जहां उप चुनाव होंगे और सभी वार्डों से भाजपा की जीत होगी।

कुर्सी, एसी, टीवी सब उठा ले गए मनीष सिसोदिया? विधायक कार्यालय का वीडियो जारी कर बीजेपी नेता का बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटपड़गंज से बीजेपी विधायक रविंदर सिंह नेगी ने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक मनीष सिसौदिया और आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने इलाके के विधायक कार्यालय से सभी सरकारी संपत्तियां (वस्तुएं) चुरा ली हैं। उन्होंने दावा किया, उन्होंने एसी, टेलीविजन, कुर्सियां, पंखे, एलईडी और सब कुछ ले लिया है। एक्स पर पोस्ट में विधायक रविंद्र नेगी ने कहा कि आम आदमी पार्टी से पटपड़गंज के पूर्व विधायक मनीष सिसोदिया ने चुनाव से पहले ही अपना असली चेहरा दिखा दिया था। विधानसभा कैंप कार्यालय से जिसमें एसी, टीवी, टेबल, कुर्सी और पंखे जैसे सामान चुराए गए। इनकी भ्रष्टाचार की हदें अब भी पार नहीं हुईं। अब वे अपनी असलियत छुपाने और चोरी करने की

राजनीति में माहिर हो गये हैं। हम लोगों के अधिकारों की रक्षा करेंगे और ऐसे भ्रष्ट लोगों को बेनकाब करेंगे। नेगी ने खाली विधायक कार्यालय वाली वीडियो क्लिप भी एक्स पर पोस्ट की है।

आप की सफाई

हालांकि, पीडब्ल्यूडी जेई वेद प्रकाश ने कहा कि उन्होंने विधायक कार्यालय को कोई सामान नहीं दिया। सिसौदिया के प्रतिनिधि ने कहा कि उन्होंने (आप कार्यकर्ताओं ने) कोई सरकारी सामग्री नहीं ली है। उन्होंने कहा कि आप कार्यकर्ताओं ने वह सामान ले लिया जो उनका था।' उन्होंने कहा कि जिन 2 एसी के गायब होने का आरोप लगाया जा रहा है, वे किराए पर लिए गए थे। सिसौदिया के सहयोगी ने कहा कि एसी के मालिक ने उन्हें वापस ले लिया है।

इस बीच, हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनाव मृं भाजपा के नेगी ने पटपड़गंज सीट 28,072 वोटों से जीती। उन्हें 70,060 वोट मिले, जबकि आप के अवध ओझा 45,928 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। आम आदमी पार्टी ने पटपड़गंज से अपना उम्मीदवार बदल दिया है। निवर्तमान विधायक सिसौदिया ने जंगपुरा सीट से चुनाव लड़ा था जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

चेहरा तो हम ही हैं...ये बिहारी बनेगा दिल्ली का सीएम? केजरीवाल भी रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में नई सरकार को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 19 फरवरी को विधायक दल की बैठक में सीएम के नाम पर मुहर लग जाएगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह इस बार भी रामलीला मैदान में होगा। शपथग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। रामलीला मैदान की ओर जाने वाले सभी रास्ते 19 फरवरी की रात से बंद होंगे ताकी 20 फरवरी को शपथग्रहण समारोह हो सके। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की टाइमिंग बदल गई है। पहले जहां 20 फरवरी की शाम 4.30 बजे दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण होना था तो वहीं अब यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे होना निश्चित हुआ है। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस अभी भी बना हुआ है। इसको लेकर विपक्षी दल आम आदमी पार्टी बीजेपी पर हमलावर है। कार्यवाहक सीएम आतिशी ने बीजेपी पर तंज करते हुए कहा है कि दिल्ली को चलाने के लिए बीजेपी के पास सीएम का चेहरा तक नहीं है। वहीं अब इस पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी बैचेन है। दिल्ली को लेकर दो -तीन दिन सब कुछ हो जायेगा। हमारा मुख्यमंत्री बहुत अच्छा होगा।

चुनाव हुए तो पहले परवेश वर्मा का नाम हर किसी की जुबान पर था। उन्?होंने ना सिर्फ अरविंद केजरीवाल को नई दिल्?ली सीट पर मात दी बल्कि वो दिल्?ली के पूर्व सीएम साहब सिंह वर्मा के बेटे भी हैं। वहीं दूसरी ओर बिहार चुनाव को ध्?यान में रखते हुए सांसद मनोज तिवारी का नाम राजनीतिक गलियारों में काफी उछल रहा है। पूर्वांचल का बड़ा नाम होने के कारण ऐसी चर्चाओं ने जोर पकड़ा है। बीजेपी के विधायक हरीश खुराना ने कहा कि सीएम के नाम पर सस्पेंस जल्द खत्म होगा। उन्होंने कहा कि लोगों के कयास जल्द ही खत्म होने वाले हैं। केंद्रीय नेतृत्व के निर्णय अनुसार भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री जल्द ही दिल्ली को मिलने वाला है। रामलीला मैदान में होने वाले शपथग्रहण समारोह के लिए पीएम मोदी समेत 150 लोगों को न्यौता पहुंचा है। एनडीए के नेताओं को रामलीला मैदान में जुटा शक्ति प्रदर्शन भी किया जा सकता है।

चेहरा तो हम ही हैं

मनोज तिवारी ने खुद भी मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी इच्छा जता चुके हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने कहा था कि चेहरा तो हम हैं, वो भी तीसरी बार। साथ ही और भी चेहरे हैं। दिल्ली में अगर एक जगह से तीसरी बार अगर टिकट दिया गया तो वो पूर्वांचली ही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री जितनी सुविधाएं देता है

प्रदेश को वो सुविधाएं देने की मैं गारंटी देता हूं।

क्या चौंका सकती है बीजेपी

बीजेपी किसे सीएम बनाएगी इसके बारे में तमाम राजनीतिक पंडितों की भविष्यवाणी पहले भी फेल होती रही है। मोदी-शाह की तरफ से फैसले चौंकाने वाले ही होते रहे हैं। लेकिन तमाम किंतु-परंतु से इतर मनोज तिवारी एक मजबूत दावेदार के रूप में सामने आ रहे हैं। पूर्वांचली वोट बैंक, बिहार चुनाव और खुद मनोज तिवारी की इच्छा, ये सभी फैक्टर उन्हें मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आगे रखते हैं।

त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की आंकड़ा पहुंचा 55 करोड़ के पार

महाकुंभ नगर । संगमनगरी में 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम 'महाकुंभ 2025' में उम्मीद से कहीं अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर इतिहास रच दिया है।यहां अब तक 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगा ली है।26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है।26 फरवरी को ही महाकुंभ की समाप्ति भी होनी है। महाकुंभ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी कि स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। सीएम का यह आंकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था। वहीं शुक्रवार (14 फरवरी) को यह संख्या 50 करोड़ के ऊपर पहुंच गई और अब इसने 55 करोड़ का नया शिखर छू लिया है। गौरतलब है कि सर्वाधिक करीब आठ करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा वसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। वहीं माघी पूर्णिमा के महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर भी दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया था।

महाठग सुकेश की याचिका फिर सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की जेल बदलने की याचिका खारिज कर दी। महाठग दिल्ली की मंडोली जेल और पंजाब की जेल छोड़कर किसी अन्य जेल में भेजने की मांग कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और पी बी वराले की बेंच ने कहा कि चंद्रशेखर पहले भी ऐसी कई याचिकाएं दाखिल कर चुके हैं, जिन्हें खारिज कर चुके है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपके पास पैसा है, आप उस पैसों से बार-बार याचिका लगावते रहते हैं। बार-बार एक ही याचिका दायर करना कानून का दुरुपयोग है। महाठग चंद्रशेखर ने दलील दी कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के कारण उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब सरकार बदल गई है, इसलिए उनकी शिकायत का आधार नहीं बचता।

जूनियर छात्र को, सीनियर्स ने गिलास में थूककर पानी दिया और डंडे और बेल्ट से पीटा

-कोट्टायम के सरकारी नर्सिंग कॉलेज में रैगिंग का मामला

तिरुअनंतपुरम । केरल के कोट्टायम के सरकारी नर्सिंग कॉलेज में एक जूनियर नर्सिंग छात्र के साथ रैगिंग के बाद एक और मामला सामने आया है। सरकारी कॉलेज में बायोटेक्नोलॉजी के छात्र ने सीनियर्स पर पिटाई करने और बंधक बनाने का आरोप लगाया है। छात्र के मुताबिक घटना 11 फरवरी की है। रैगिंग का आरोप सात सीनियर्स पर लगा है। पीड़ित छात्र ने बताया कि मैं अपने दोस्त के साथ कैंपस से जा रहा था। तभी सीनियर्स ने हमें रोक लिया। उन्होंने हमारी पिटाई कर दी। इस दौरान मेरा दोस्त वहां से भागने में सफल रहा। दोस्त ने घटना की जानकारी तुरंत प्रिंसिपल को दी। पीड़ित छात्र ने आरोप लगाया कि सीनियर्स ने बांस के डंडे और बेल्ट से पिटाई की। इतना ही नहीं पिटाई के बाद मुझे यूनिट रूम में ले जाया गया। वहां मेरी शर्ट उतार कर मुझे घुटनों के बल बैठा दिया गया। पीने का पानी मांगने पर एक सीनियर ने गिलास में थूककर पानी दिया। सीनियर्स ने रैगिंग के बारे में किसी को भी कुछ न बताने की धमकी दी। छात्र का कहना है कि घटना वाले दिन ही मामले की शिकायत दर्ज करा दी थी। कझाकूट्टम पुलिस ने शिकायत पर 11 फरवरी 2025 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कॉलेज के प्रिंसिपल से अनुरोध किया है कि वे जांच करके हमें रिपोर्ट सौंपें कि क्या संस्थान में कोई रैगिंग हुई है या नहीं। अधिकारी के मुताबिक प्रिंसिपल ने इस संबंध में एक रिपोर्ट पेश की। इसमें छात्र की शिकायत सही मिली है। अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर रैगिंग की धारा जोड़ दी गई है। जल्द ही एक रिपोर्ट अदालत को सौंपी जाएगी।

आज जो गालियां दे रहे हैं वहीं कल लालू यादव को भारत रत्न देंगे

-बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने जनसभा को किया संबोधित

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि जो लोग आज लालू यादव को गालियां दे रहे हैं, वही लोग एक दिन उनको भारत रत्न देंगे तेजस्वी ने यह बात बिहार के सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। दरअसल, बीते दिनों नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ को लेकर लालू यादव ने रेलवे पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि दुखद घटना घटी है। यह रेलवे की गलती है। रेलवे की लापरवाही से इतने लोगों की मौत हुई है। इस दौरान उन्होंने कुंभ को लेकर भी कहा था कि कुंभ का कहां कोई मतलब है। फालतू है कुंभ उनके इस बयान को लेकर केंद्र और राज्य में सत्ता पक्ष के नेताओं ने उनकी आलोचना की थी। तेजस्वी ने कहा कि जब कर्पूरी ठाकुर ने आरक्षण को लागू किया था, तो ये लोग उनको भद्दी गालियां देते थे। आज कर्पूरी की ताकत को देखिए जो लोग गाली देते थे, उनको भारत रत्न देना पड़ रहा है। ये है समाजवाद की असली ताक़त। उन्होंने कहा कि ये ताक़त है कर्पूरी जी की, आज भी कर्पूरी जी प्रासंगिक हैं, जो गाली दिया करते थे, वो भारत रत्न दे रहे हैं। लालू जी को गाली देने वालों से भी हम कहना चाहते हैं कि आज तो तुम लोग लालू जी को गाली दे रहे हो, लेकिन आने वाले समय में उनको भी तुम भारत रत्न देने का काम करोगे।

कांग्रेस नेता उदित राज के बिगड़े बोल- कहा मायावती का गला घोंटने का समय आ गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती को लेकर विवादित टिप्पणी की है। उदित राज ने गीता में भगवान श्री कृष्ण के उपदेश का जिक्र करते हुए कहा कि मायावती का गला घोंटने का समय आ गया है। दिल्ली के पूर्व सांसद ने कहा उन्हें उनके कृष्ण ने ऐसा करने के लिए कहा है। मायावती ने उदित राज का नाम लिए बिना जवाब दिया है और बयान को गंभीरता से नहीं लेने की बात कही। उदित राज के बोल पर भाजपा ने भी आपत्ति जाहिर की है। उदित राज ने अपने एक्स पर भी अपने बयान को साझा किया है। उन्होंने सोमवार को एक्स पर लिखा, कृष्ण ने कहा था कि न्याय के लिए लड़ो, जरूरत पड़े तो अपने सगे संबंधियों को भी मार दो। बसपा की चीफ सुश्री मायावती जी ने जो सामाजिक आंदोलन का गला घोंटा है, अब उनका गला घोंटने का वक्त आ गया है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बयान दिया।

कांग्रेस नेता ने अपने बयान का वह हिस्सा भी खुद साझा किया है, जिसमें वह कहते हैं, श्रीकृष्ण ने कहा कि अपने सगे संबंधियों को कैसे मारे, कृष्ण ने कहा कि कोई सगा संबंधी नहीं है, न्याय के लिए लड़ो, मार दो अपने लोगों को ही मार दो, आज उसी मोड़ पर हमारे कृष्ण ने मुझे कह दिया है कि सबसे पहले जो अपना दुश्मन है उसे मार दो। जो सामाजिक न्याय का दुश्मन है, मैंने अपने प्रेस रिलीज में लिख दिया है, सुश्री मायावती ने जो सामाजिक आंदोलन का गला घोंटा अब उनका गला घोंटने का समय आ गया है।

आकाश आनंद ने दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

उदित राज के बयान के बाद बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की तीखी प्रतिक्रिया आई है। आकाश आनंद ने यूपी पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए उदित राज को गिरफ्तार करने की मांग की है। हमारी परमपूज्य आदरणीय बहन कु. मायावती जी को गला घोंटना की धमकी दे रहा है। मैं यूपी पुलिस से साफ़ कहना चाहता हूँ की 24 घंटे में इन अपराधियों को गिरफ्तार कर क़ानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें नहीं तो देश का बहुजन युवा चुप बैठने वाला नहीं है, इनको सबक सिखाना मुझे अच्छे से आता है।

गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं: मायावती

मायावती ने उदित राज के बयान पर कहा कि बाबा साहेब डॉ। भीमराव अम्बेडकर के जीतेजी और उनके देहांत के बाद भी, करोड़ों शोषित-पीड़ित दलितों/बहुजनों के लिए उनके आत्म-सम्मान और स्वाभिमान के मानवतावादी संघर्ष का हर स्तर पर तिरस्कार करने वाली खासकर कांग्रेस पार्टी कभी भी इनकी सोच-नीतियों पर खरी व विश्वसनीय नहीं हो सकती।मायावती ने कहा, कुछ दलबदलू अवसरवादी व स्वार्थी दलित लोग अपने आकाओं को खुश करने के लिए जो अनर्गल बयानबाजी

आदि करते रहते हैं उनसे भी बहुजन समाज को सावधान रहने व उन्हें गंभीरता से नहीं लेने की जरूरत है क्योंकि वे सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति मूवमेन्ट से अनभिज्ञ व अपरिचित हैं।

भिंड : डंपर और पिकअप वैन में भिड़ंत, 5 की मौत, 12 घायल

भिंड। जिले के जवाहरपुरा गांव के पास नेशनल हाइवे 719 पर दर्दनाक हादसा हो गया है। डंपर और पिकअप वैन की भिड़ंत में 5 की मौत हो गई जबकि 12 लोग घायल है। इन्हे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना मंगलवार सुबह करीब पांच बजे हुई, जब कुछ लोग एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। इनमें से कुछ लोग वैन में बैठे थे और कुछ सड़क पर खड़े थे, तभी अचानक तेज रफ्तार डंपर ट्रक ने उन्हें और उनके वाहन को टक्कर मार दी। भिंड जिले के एसपी असित यादव ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया। एसपी ने बताया कि वह अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहुंचे। घटना को अंजाम देने के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया है।सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया। जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हादसे को अंजाम देने वाले डंपर को कब्जे में लेकर दुर्घटनाग्रस्त वैन को सड़क से हटवाया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

हसीना ने यूनुस को भेजा पैगाम कहा- लौटूंगी और आतंकवादियों की सरकार खत्म कर दूंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि इंशाअल्लाह जल्द ही अपने वतन लौटूंगी और आतंकवादियों की सरकार का खात्मा करुंगी। उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को आतंकवादी करार दिया और कहा कि पुलिसकर्मियों की हत्या का बदला भी लिया जाएगा।बता दें कि बीते साल जून-अगस्त में हुए प्रदर्शनों के दौरान 800 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी, जिसमें कई पुलिसकर्मी भी मारे गए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हसीना ने हाल ही में जूम लिंक के जरिए 5 विधवाओं और उनके बच्चों से बात की थी। इस वर्चुअल मीटिंग को आवामी लीग के अध्यक्ष नजरुल इस्लाम की तरफ से आयोजित किया गया था। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि यूनुस ने बांग्लादेश को आतंकवाद का अड्डा बना दिया है। उन्होंने कहा, यूनुस के पास सरकार चलाने का अनुभव नहीं है। उन्होंने सभी जांच समितियों को भंग कर दिया है और लोगों को मारने के लिए आतंकवादियों को आजाद कर दिया है। वे बांग्लादेश को तबाह कर रहे हैं। हम आतंकवादियों की इस सरकार को बाहर कर देंगे। इंशाअल्लाह।

उन्होंने कहा, मैं लौटूंगी और हमारे

पुलिसकर्मियों की मौत का बदला लूंगी। उन्होंने कहा, यूनिस ने अपन अंतरिम सरकार में एक तथाकथित छात्र नेता को शामिल किया है, जो कहते हैं कि पुलिसवालों को मारे बगैर आंदोलन नहीं हो सकता। इस अराजकता को हमें खत्म करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 5 अगस्त को वह भीड़ के चंगुल से भागकर आई हैं, ताकि एक बार फिर बांग्लादेश की जनता की सेवा कर सकें। उन्होंने कहा, मैं आपसे सभी से अनुरोध करती हूं कि शांत रहें और एकजुट रहे। मैं वापस लौटूंगी और हमारे शहीदों का बदला लूंगी। मैं पहले की तरह न्याय करूंगी। मेरा वादा है। हिंसा के दौरान कई पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाया गया था। सिराजगंज में एक दर्जन से ज्यादा पुलिस अधिकारियों की हत्या कर दी गई थी और उनके शवों को जला दिया गया था।

आरपीएएफ की रिपोर्ट में खुलासा: पलेटफॉर्म बदलने की घोषणा से हुआ दिल्ली में हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज जाने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जुटी भीड़ की भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई। हादसे की जांच करने वाली आरपीएफ की टीम ने पाया कि प्लेटफॉर्म बदलने की घोषणा न होती हो शायद ये हादसा नहीं होता। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शनिवार रात 8 बजे प्लैटफॉर्म संख्या 12 से शिव गंगा एक्सप्रेस रवाना होने के बाद स्टेशन पर भारी भीड़ जुटने लगी थी। इसके चलते प्लैटफॉर्म 12-13, 14-15 और 16 पर जाने वाले रास्ते जाम हो गए। सूचना पाकर एफओबी-2 पर पहुंचे सह सुरक्षा आयुक्त ने स्टेशन निदेशक को स्पेशल गाड़ी को

यात्रियों से भरते ही चलाने की सलाह दी। साथ ही टिकट बिक्री बंद करने को भी कहा था।

रात 8.45 बजे मौके पर पहुंचे आरपीएफ जवान एफओबी-2 और 3 खाली कराने में जुट थे। इसी दौरान प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेन के प्लेटफॉर्म संख्या 12 से जाने की घोषणा हुई। 3 मिनट बाद गाड़ी के प्लेटफॉर्म को बदलकर 16 करने की घोषणा हुई। उस समय प्लेटफॉर्म संख्या 14 पर मगध एक्सप्रेस और 15 पर उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस खड़ी थीं। प्लेटफॉर्म संख्या 14 पर प्रयागराज एक्सप्रेस और प्रयागराज स्पेशल के यात्री भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। प्रयागराज एक्सप्रेस को मगध एक्सप्रेस छूटने के बाद प्लेटफॉर्म -14 पर आना था।

घोषणा सुनकर प्लेटफॉर्म संख्या 12-13 और 14-15 से प्रयागराज स्पेशल के यात्री सीढ़ी के रास्ते एफओबी-2 और 3 पर चढ़ने लगे। इसी समय मगध एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस और उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के यात्री सीढ़ियों से उतर रहे थे। धक्का-मुक्की से कुछ यात्री नीचे गिर पड़े और भगदड़ मच गई। रात 8:48 बजे आरपीएफ के सेक्टर इंचार्ज ने इसकी जानकारी रेलवे अफसरों को दी।

फिर करवट लेगा मौसम ! विभाग ने किया 19 से 21 फरवरी तक हाई अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागालैंड और आसपास के क्षेत्रों में समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है, जिससे मौसम में यह बदलाव देखने को मिलेगा। भारतीय मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 19 से 21 फरवरी तक भारी बारिश, तेज आंधी और बिजली गिरने का हाई अलर्ट जारी किया है। वहीं, दिल्ली का मौसम अब बदलने लगा है और तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले कुछ दिनों में दिन के समय तापमान में इजाफा हुआ है। अब सुबह और रात की ठंडक में भी कमी देखी जा रही है। दोपहर का तापमान बढ़ने लगा है, जिससे हल्की गर्मी का एहसास होने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में 19 और 20 फरवरी को हल्की बारिश हो सकती है।

दिल्ली में तापमान बढ़ने के पीछे ठंडी हवाओं का कमजोर पड़ना, दिन में धूप बढ़ना और पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव जैसे कारण हैं। इस बदलाव का असर दिल्ली के लोगों की सेहत, जीवनशैली और पर्यावरण पर भी पड़ सकता है। गर्मी बढ़ने के साथ एयर पॉल्यूशन, स्वास्थ्य समस्याएं और फसलों पर असर हो सकता है। हिमाचल प्रदेश में 19 फरवरी से फिर से मौसम करवट लेगा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 19 से 23 फरवरी तक प्रदेश में मौसम खराब रहने की संभावना है। कई इलाकों में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने 19 फरवरी को प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। साथ ही 20 फरवरी को राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में मूसलधार बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवाओं के चलने और बिजली गिरने से जनजीवन प्रभावित होने की संभावना है।

लव जिहाद कानून पर महाराष्ट्र सरकार को औवेसी और आजमी ने घेरा

-कहा- इनके पास कोई और काम नहीं, अंकल सरकार बनाने की कोशिश

हैदराबाद(एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद के कानून को लेकर समिति का गठन किया है। अइ इसे लेकर सियासत शुरु हो गई है। कमेटी के गठन को लेकर समाजवादी पार्टी नेता और महाराष्ट्र के विधायक अबू आजमी के बाद अब असदुद्दीन ओवैसी ने इसपर निशाना साधा है। ओवैसी ने सोमवार को इसके खिलाफ एक पोस्ट शेयर किया है।

ओवैसी ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा-ऐसा लगता है कि राज्य सरकार के पास अंतरधार्मिक विवाहों की जांच के अलावा कोई और काम नहीं है, क्योंकि उसने अब लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने के लिए एक समिति गठित कर दी है।

उन्होंने कहा कि यहां तक कि मोदी सरकार ने भी कहा है कि लव जिहाद की कोई परिभाषा नहीं है और कई जांच एजेंसियों ने साजिश के सिद्धांत को खारिज कर दिया है।

हैदराबाद सांसद ओवैसी ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता पहले से ही किसी भी व्यक्ति को अपनी

धार्मिक पहचान छिपाकर शादी का वादा करने पर अपराधी मानता है। जबरन धर्म परिवर्तन भी अपराध की श्रेणी में आता है। यह केवल अंकल सरकार बनाने की कोशिश है। सरकार इस बात में दखल देती है कि आप किससे शादी करते हैं, क्या खाते हैं, कौन सी भाषा बोलते हैं, कहां रहते हैं और किस धर्म को मानते हैं। इस समिति के गठन को लेकर विधायक अबू आजमी ने कहा कि यह देश संविधान और कानून से चलता है। कानून के तहत 18 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म के व्यक्ति से शादी कर सकता है और वह किसी भी धर्म को मान सकता है। लव जिहाद जैसी कोई चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई हिंदू महिला किसी मुस्लिम से शादी करती है तो वे दबाव डालकर महिला के परिवार का मन बदल देते हैं, जिसके बाद वह कहती है कि उससे जबरदस्ती शादी करवाई गई। वे बस मुसलमानों को परेशान करना चाहते हैं सदियों से हिंदू और मुसलमान आपस में शादी करते आ रहे हैं।

इलाहाबादिया को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, गिरफ्तारी से दी राहत

-कहा- आप लोगों के माता-पिता को बेइज्जत कर रहे हैं, यह गंदे दिमाग की उपज

मुंबई (एजेंसी)। यू-ट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस बीच कोर्ट ने उन्हें जमकर फटकार लगाई। हालांकि कोर्ट ने रणवीर को गिरफ्तारी से राहत दी है और निर्देश दिया है कि वे जांच में शामिल हों। इसके अलावा संबंधित एपिसोड पर अब कोई और एफआईआर नहीं दर्ज की जाएगी।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट में रणवीर के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने कहा कि कई राज्यों में मामले दर्ज हैं। उनकी जान को खतरा है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आप लोगों के माता-पिता को बेइज्जत कर रहे हैं। यह गंदे दिमाग की उपज है। आपके पास भारी संपत्ति है। दो अलग एफआईआर का आप बचाव कर सकते हैं। हम एफआईआर क्यों क्लब करें। जांच और मुकदमा आपके मुताबिक नहीं चलाया जा सकता। अगर आपको खतरा है, तो यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और आप शिकायत करें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको कैसे

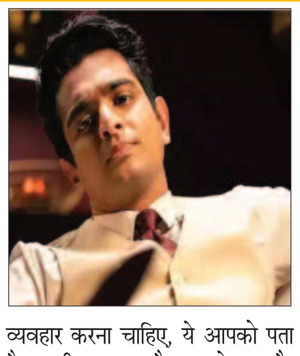

व्यवहार करना चाहिए, ये आपको पता हैज्अश्लीलता क्या है आपको पता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सिर्फ दो एफआईआर है। एक मुंबई में है और दूसरी गुवाहाटी में हैं। दोनों एफआईआर भी समान नहीं है। दोनों में अलग आरोप हैं। ऐसे में एकसाथ सुनवाई की मांग कैसे की जा सकती है। रणवीर के वकील चंद्रचूड़ ने जुबान काटने के एवज में 5 लाख के ईनाम का हवाला दिया। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब आप ऐसी सस्ती पॉपुलेरिटी चाहेंगे तो लोग धमकी तो देंगे ही। आपकी भाषा से अच्छी उसकी भाषा है। आपने जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया है उससे माता-पिता, अभिभावक और पूरा समाज क्षुब्द होगा। हम इस तरह के व्यवहार को प्रमोट नहीं कर सकते हैं। कानून अपना काम करेगा। आखिर वह पुलिस स्टेशन क्यों नहीं जा रहे, वकील किस हैसियत से गए, हम वकील के खिलाफ बार काउंसिल को बोलेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को छूट है कि महाराष्ट्र और असम पुलिस से वह धमकी मिलने पर जांच के दौरान सुरक्षा की मांग कर सकता है। जयपुर में भी एफआईआर है। उस पर भी समान आदेश रहेगा। रणवीर सुप्रीम कोर्ट की इजाजत के बिना देश छोड़कर नहीं जा सकता है। वह आगे शो नहीं करेंगे। वकील चंद्रचूड़ ने कहा कि शो उनका नहीं है, इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम जानते हैं। रणवीर के खिलाफ देश के अलग-अलग राज्यों में एफआईआर दर्ज किया है, जिसको एक साथ क्लब करने की मांग को लेकर याचिका दायर की गई।

मां की जाति के आधार पर बच्चों को जाति प्रमाण पत्र और ओबीसी सर्टिफिकेट जारी करे

- इसके लिए आपले सरकार पोर्टल पर आवश्यक बदलाव करे

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश देकर कहा कि असाधारण परिस्थितियों में मां की जाति के आधार पर बच्चों को जाति प्रमाण पत्र और ओबीसी सर्टिफिकेट जारी करने के लिए आपले सरकार पोर्टल पर आवश्यक बदलाव करे। साथ ही हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से एक समिति भी गठित करने को कह दिया है। ताकि ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए पोर्टल पर दस्तावेज अपलोड करने के प्रावधानों की संभावना का पता लग सके। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देवेंद्र फडणवीस सरकार से कहा कि अपनी मां की सामाजिक स्थिति और जाति के आधार पर जाति प्रमाण पत्र चाहने वाले नागरिकों को मां की सामाजिक स्थिति के दस्तावेज अपलोड करने की सुविधा मिलानी चाहिए।

आपले सरकार राज्य सरकार की आधिकारिक वेबसाइट है, जो नागरिकों के लिए विभिन्न लाभकारी योजनाएं प्रदान करती है और उन्हें शिकायत दर्ज करने में भी सक्षम बनाती है। स्वानुभूति जैन बनाम महाराष्ट्र राज्य के मामले की सुनवाई कर जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस अश्विन डी भोबे की पीठ ने सरकार को सरकारी पोर्टल में संशोधन करने का आदेश दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, खंडपीठ ने 30 वर्षीय महिला स्वानुभूति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर महाराष्ट्र सरकार को पोर्टल पर मां की सामाजिक स्थिति के दस्तावेज अपलोड करने में सक्षम बनाने का आदेश दिया है। स्वानुभूति ने अदालत से राज्य सरकार के अधिकारियों से प्राधिकारियों को उसकी मां की जाति के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जाति प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश देने का आग्रह किया था। इसके साथ ही याचिकाकर्ता ने महाराष्ट्र सरकार को यह निर्देश देने की भी मांग की थी कि आपले पोर्टल पर मुझे अपनी मां की सामाजिक स्थिति के दस्तावेज अपलोड करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि पोर्टल केवल पिता की जाति का दस्तावेज अपलोड करने की अनुमति देता है।

हालांकि, हाई कोर्ट ने स्वानुभूति की याचिका खारिज कर कहा कि जैन यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत पेश करने में विफल रही कि उसका पालन-पोषण केवल उसकी मां ने किया था या उसकी परवरिश उसकी मां की जाति की स्थिति से प्रभावित थी। कोर्ट ने कहा कि जैन के पिता, जो एक बैंक अधिकारी हैं, ने उसकी शिक्षा का खर्च उठाया

था और परिवार एक ही घर में साथ रहता था। इसके अतिरिक्त, जैन की मां ने हाल ही में 2022 में अपना ओबीसी प्रमाण पत्र प्राप्त किया था, जिसके बाद जैन ने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया है।

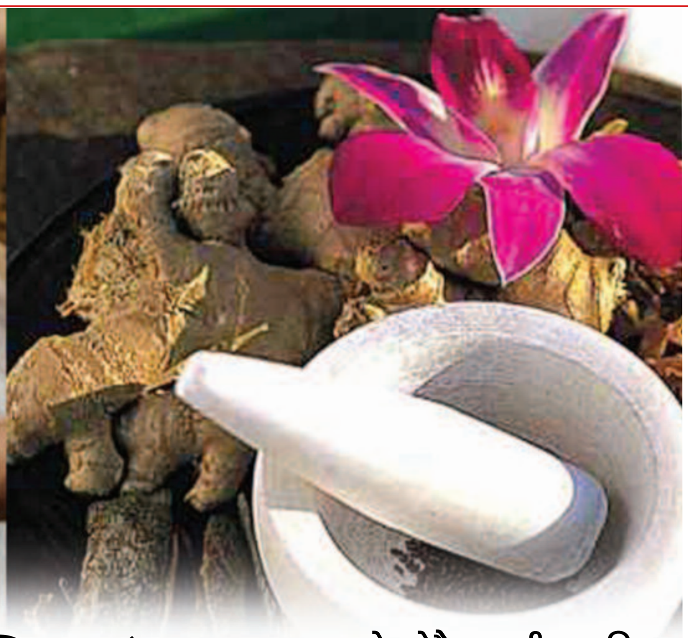

नेचुरोपैथी में बनाएं अपना कॅरियर

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित कि समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।

संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूटिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छत्तीसगढ़।

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है।

अगर आपको भी है टैटू बनाने का पैशन...

पिछले कुछ समय से टैटू बनवाने का क्रेज युवाओं में काफी बढ़ गया है। वैसे तो टैटू पुराने समय से बनाए जाते रहे हैं लेकिन कुछ सालों से इसके स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बड़े-बड़े स्टार्स भी बॉडी पर टैटू बनवाते हैं, फिर चाहे बात दीपिका पादुकोण की हो या प्रियंका चोपड़ा की, हर कोई टैटू बनवा चुकी है। आज के समय में बहुत से ऐसे युवा हैं जो न सिर्फ टैटू बनवाने का क्रेज रखते हैं, बल्कि वह टैटू बनाना भी सीखना चाहते हैं। अगर आपको भी टैटू बनाने का पैशन है तो आप इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं देख सकते हैं–

क्या होता है काम

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद शुरूआत में स्किन की सही तरह से केयर करनी भी जरूरी होती है, इसलिए एक टैटू मेकर का काम है कि वह अपने क्लाइंट को स्किन केयर के बारे में भी सारी जानकारी दे ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

स्किल्स

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है आपका क्रिएटिव माइंड। आज के समय में पहले की तरह सिंपल टैटू नहीं बनाए जाते। इसलिए एक टैटू मेकर क्लाइंट की जरूरत को समझकर और अपनी क्रिएटिविटी का प्रयोग करके शरीर के विभिन्न

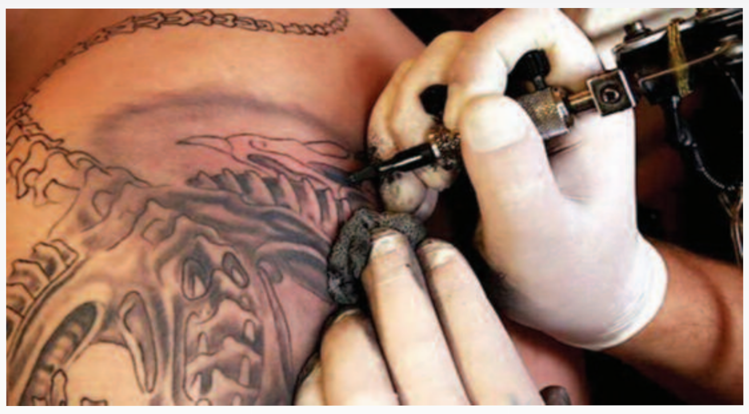

हिस्सों पर अलग-अलग कलर कॉम्बीनेशन और केमिकल्स के जरिए बेहतरीन आकृति को उकेरता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में आपकी सफलता आपका पैशन तय करता है। अगर आप इस काम से दिल से प्यार करते हैं, तभी आपको इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त एक टैटू मेकर को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उसे लेटेस्ट ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। एक टैटू बनाना देखने में भले ही आसान लगे लेकिन यह एक कठिन काम है। इसमें आपको बेहद पेशेंस और एकाग्रता की जरूरत होती है। कई बार लोगों को टैटू से त्वचा में संक्रमण भी फैल जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप इससे भी अच्छी तरह वाकिफ हों और हर तरह की सावधानी बरतते हुए ही अपना काम करें।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं देख रहे छात्रों के लिए कोई मिनिमम योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन टैटू बनाने में आजकल मशीनों का प्रयोग किया जाता है, इसके लिए आप किसी टैटू स्टूडियो या संस्थान से शॉर्ट टर्म कोर्स के जरिए टैटू मेकिंग सीख सकते हैं। यह कोर्स एक से दो महीने का होता है।

संभावनाएं

एक टैटू मेकर के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टैटू मेकिंग का काम सीखने के बाद आप घर से ही काम की शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप बजट अच्छा है तो अलग से टैटू मेकिंग स्टूडियो भी खोला जा सकता है। अगर आप क्लाइंट के घर जाकर काम कर सकते हैं तो ऑनलाइन काम को प्रमोट करना अच्छा रहेगा। इससे आपको कम समय में ही अच्छा काम मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त बड़े-बड़े मॉल्स में भी टैटू मेकिंग का काम शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में कमाई अनुभव और आपके काम के अनुसार बढ़ती है। वैसे कोर्स करने के बाद शुरूआती दौर में एक टैटू मेकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए आसानी से कमा सकता है। लेकिन कुछ सालों के अनुभव के बाद जब आप अपना नाम स्थापित कर लेते हैं तो आपकी आमदनी लाखों में भी हो सकती है।

कम्युनिकेशन डिजाइनिंग से दें कॅरियर को एक नई उड़ान

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके। देश के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान डिजाइनिंग संबंधी कई कोर्स संचालित करता है। इन कोर्सेस में दाखिला लेकर छात्र न सिर्फ अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं, बल्कि सफलता की नई कहानी भी लिख सकते हैं। आज हम आपको राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स की जानकारी दे रहे हैं

बैचलर ऑफ डिजाइन बी.डेस

यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है जो आठ विषयों में उपलब्ध है। 12वीं स्तर के 20 वर्षीय विद्यार्थी इन कोर्सेस में दाखिला ले सकते हैं।

एनीमेशन फिल्म डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि करीबन चार वर्ष की होती है और इसमें महज 15 सीटें ही एनआईडी में उपलब्ध होती हैं। इस कोर्स को करने के बाद छात्र विभिन्न टीवी चैनल में एनिमेटर, करैक्टर डिजाइनर, स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, कंसलटेंट आदि के रूप में काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में शिल्प, वास्तु, चिकित्सा, सत्कार, सज्जा उत्पादों आदि शैलियों में कार्यात्मक सम्भावनायें भी प्रदान करता है। एनआईडी का यह विभाग भारतीय कला और शिल्प से प्रेरणा लेता है और छात्रों को भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन और नयी तकनीकों की क्षमता को समझने में मदद करता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र एनज़ीओ, डिजाइन स्टूडियो, शिल्प उद्योग में भी रोजगार के अवसर ढूंढ सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

एक्सबिशन डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके।

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन कोर्स के तहत छात्रों को छोटी एजुकेशनल, कल्चरल, सोशल, एंटरटेनिंग व मार्केट कम्युनिकेशन संबंधी शार्ट फिल्में बनाने करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे छात्रों के लिए एड एजेंसी, फिल्म प्रॉडक्शन हाउस, टीवी चैनल्स व अन्य कई सरकारी क्षेत्रों व एनजीओ के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं।

फर्नीचर डिजाइन

फर्नीचर डिजाइन भी वास्तव में एक कला है और इस कला की पूरी जानकारी एनआईडी के चार वर्षीय फर्नीचर डिजाइन कोर्स से प्राप्त होती है। कोर्स में विभिन्न प्रकार के मैटीरियल, उनके इस्तेमाल और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके कुछ नया बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राफिक डिजाइन

पिछले कुछ समय से ग्राफिक डिजाइनर की मांग काफी बढ़ी है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन तक लोग ग्राफिक्स का सहारा लेने लगे हैं। इसके जरिए चीजों को आसानी से समझा जा सकता है और यही कारण है कि यह कोर्स छात्रों के बीच खासा पसंद किया जाता है।

जीडीजीपी (ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन)

4 वर्ष का यह कोर्स विजयवाड़ा और कुरुक्षेत्र में उपलब्ध है। इसमें छात्रों का 12वीं पास होना आवश्यक है और उम्मीदवार की आयु 20 से अधिक न होनी चाहिए।

प्रॉडक्ट डिजाइन

प्रॉडक्ट डिजाइन उन वस्तुओं की रचना करना है, जो लोगों के लिए फायदेमंद है। वस्तुए बड़ी व्यवस्था का मुख्य अंश होती है। कोर्स के दौरान प्रोजेक्ट्स का मुख्य केंद्र उपयोगकर्ताओं की जरूरत, उत्पाद और आर्थिक प्रभाव के लिए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर रहता है।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के तहत छात्रों के भीतर कपड़ा अथवा टेक्सटाइल की समझ का ज्ञान विकसित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है।

स्नातकोत्तर डिजाइन (एम.डेस.)

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। 25 वर्ष की अवधि का यह कोर्स अहमदाबाद, बेंगलुरु और गांधीनगर कैंपसों में उपलब्ध है। इन कोर्सेस में दाखिला लेने वाले आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह कोर्स लगभग 19 विषयों में उपलब्ध है, जो इस प्रकार है–

- ऐनीमेशन फिल्म डिजाइन
- अपैरल डिजाइन
- सिरामिक व ग्लास डिजाइन
- डिजाइन फॉर रिटेल एक्सपीरियंस
- डिजिटल गेम डिजाइन
- फिल्म व वीडियो कम्यूनिकेशन डिजाइन
- फर्निचर डिजाइन
- ग्राफिक डिजाइन
- इन्फोरमेशन डिजाइन
- इंटरैक्शन डिजाइन
- लाइफस्टाइल ऐक्सेसरी डिजाइन
- न्यू मीडिया डिजाइन
- फोटोग्राफी डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- स्ट्रैटिजिक डिजाइन प्रबंधन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- टॉय ऐंड गेम डिजाइन
- ट्रांसपोर्टेशन व ऑटोमोबाइल डिजाइन
- यूनिवर्सल डिजाइन

'छावा' ने बॉक्स ऑफिस पर 'पद्मावत' का रिकॉर्ड तोड़ा, बनी सबसे बड़ी ऐतिहासिक ओपनर

अभिनेता विक्की कौशल की सिंह गर्जना ने उनकी नई फिल्म 'छावा' को हिंदी में बनी ऐतिहासिक फिल्मों में इस मामले में नंबर वन पर ला दिया है कि इसने बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांचों फिल्मों से बेहतर ओपनिंग पहले दिन की है। हिंदी सिनेमा में बनी ऐतिहासिक फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड अब तक 'पद्मावत' के पास रहा है जिसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए पर इसकी ओपनिंग सिर्फ 24 करोड़ रुपये की रही। फिल्म 'छावा' के जरिये अभिनेता विक्की कौशल ने अपना पंजा बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन ही मार दिया है। फिल्म ने अपनी रिलीज के एक दिन पहले ही दिन 31 करोड़ रुपये से ऊपर की ओपनिंग ली है। ये विक्की कौशल के करियर में बतौर सोलो हीरो अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग भी है।
'छावा' विक्की कौशल के करियर की बिगेस्ट ओपनर तो बन ही चुकी है, फिल्म ने अपनी लागत का 20 फीसदी से ज्यादा पहले दिन ही कमाकर वीकएंड को खुशगवार बनाने की तरफ भी कदम बढ़ा दिए हैं।
निर्माता दिनेश विजन फिल्म 'छावा' के 12,344 शोज की एडवांस बुकिंग बीते सोमवार से चलती रही है। फिल्म शुक्रवार को दुनिया भर में रिलीज हो गई। वैलेंटाइंस डे पर फिल्म देखने तमाम जोड़े भी आए और उन्हें फिल्म में विक्की कौशल व रश्मिका मंदाना के बीच श्री और सखी श्री के संबोधनों वाला संवाद खूब पसंद आया। फिल्म के क्लाइमेक्स में भी मां जगदंबा को याद करते संभाजी और येसुबाई को देख लोगों ने आंसू भी बहाए। इसके बाद आए फिल्म के खौफनाक क्लाइमेक्स को लोग अभी बरसों याद रखेंगे। किसी भी फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन अगर अपने मेकिंग और प्रचार बजट के 20 फीसदी या उससे ज्यादा होता तो उसके हिट होने की संभावनाएं प्रबल हो जाती हैं। फिल्म 'छावा' 130 करोड़ रुपये में बनी है। उस लिहाज से फिल्म 'छावा' के रिलीज के पहले दिन 31 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लेने से विक्की कौशल की प्रतिष्ठा भी हिंदी सिनेमा में बढ़ना तय माना जा रहा है। ये कलेक्शन इस साल किसी हिंदी फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है। इसके पहले अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म 'स्काई फोर्स' ने रिलीज के पहले दिन करीब 15.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अब तक हिंदी में बनी सारी ऐतिसाहिक फिल्मों में ये सबसे बड़ी ओपनिंग है। इसके पहले ये रिकॉर्ड दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'पद्मावत' के पास था जिसकी ओपनिंग 24 करोड़ रुपये रही थी।

पापा ने सेट पर ईमानदार रहना सिखाया, कहा- एक्टिंग मत करो, किरदार बनो

नए साल में वैलेंटाइंस डे के महीने में कावेरी कपूर के रूप में एक और नई स्टार किड की फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री हुई है। ऑस्कर विजेता फिल्म एलिजाबेथ, मिस्टर इंडिया, बैंडिट क्वीन और मासूम जैसी फिल्मों के निर्देशक शेखर कपूर और जानी-मानी एक्ट्रेस-सिंगर सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी कावेरी की फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी ओटीटी पर नजर आएगी। एक समय सिंगर -कंपोजर बनने की इच्छुक कावेरी ने एक्टिंग का रुख किया है। उनसे एक खास बातचीत।

आज भले कावेरी ने अपना एक्टिंग डेब्यू कर लिया है, मगर वह बचपन से ही गीत-संगीत के प्रति आकर्षित रहीं। हालांकि उन्हें लेकर ये चर्चा बहुत जोंरों पर थी कि वह पिता शेखर कपूर की आइकॉनिक फिल्म मासूम के पार्ट टू यानी मासूमन्द नेक्स्ट जनरेशन से डेब्यू करेंगी, मगर फिर उन्होंने इस फिल्म से आगाज किया। वह कहती हैं, मासूमन्द नेक्स्ट जनरेशन जरूर आएगी और जल्द ही आएगी। मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा बात तो नहीं कर सकती, मगर फिल्म निश्चित तौर पर बन रही है और यही मेरी अगली फिल्म होगी।

आज भी प्यार होता है, दिल टूटता है

चौबीस साल की कावेरी जेनज़ी से बिलॉन्ग करती हैं। आज के प्यार -मोहब्बत के दौर में बेन्चिंग, सिचुएशनशिप, घोस्टिंग जैसे टर्म्स पर उनका कहना है, मुझे लगता है, प्यार तो आज की जनरेशन भी करती है, बस कम्युनिकेशन का तरीका बदल गया है। आज भी लोग आई लव यू कहते हैं। पहले चिट्ठियों के जरिए ये बात कही जाती थी, मगर आज लोग मेसेज करके या अपनी इंस्टा स्टोरी के जरिए ये बातें कर देते हैं। हां, मैं मानती हूं कि आज की जनरेशन के पास चॉइसेज ज्यादा हैं, तो रिलेशनशिप का स्वरूप बदल गया है, मगर लव तो आज भी होता है, आज भी लोगों का हार्ट ब्रेक होता है। मुझे लगता है कि आज से 50 साल पहले डेटिंग ऐप होते, तो यकीनन उस समय के लोग भी उसका फायदा उठाते।

ग्यारह साल की उम्र में लिखा था पहला गाना

एक्टिंग के क्षेत्र में आने से पहले कावेरी गीत-संगीत से जुड़ी रही हैं। वह उस वक्त मात्र 11 साल की थीं, जब अपना पहला गाना लाईं थी। उनका गाना डिड यू नो जब यूट्यूब पर रिलीज हुआ था, तब शाहरुख खान, ऋतिक रोशन समेत सोनू निगम ने भी उनकी काफी तारीफ की थी। वह कहती हैं, मुझमें हमेशा से लोगों को और दुनिया को समझने की एक उत्सुकता रही है। मैं अपने गीतों के जरिए मानवीय भावनाओं को व्यक्त करती हूं। यह मैं बहुत बचपन से करती आ रही हूं। गीत-संगीत ने हमेशा से मुझे अपनी सोच और स्किल को अभिव्यक्त करने का प्लैटफॉर्म दिया। 2016 में जब मेरा पहला म्यूजिक विडियो डिड यू नो आया था, तब भी ये लोगों को बहुत पसंद आया था। यह गाना मैंने खुद लिखा, कंपोज किया और इसे आवाज भी दी थी। आज जब मैं एक्टिंग के क्षेत्र में आ गई हूं, तो मेरा म्यूजिक मुझे इमोट करने में काफी मददगार रहा है।

कुणाल सर ने बहुत ही सेफ फील कराया

हम तुम, फना, थोड़ा प्यार थोड़ा मैजिक और ब्रेक के बाद जैसी फिल्मों में सैफ अली, रानी मुखर्जी, आमिर खान, काजोल, दीपिका पादुकोण जैसे कलाकारों को डायरेक्ट कर चुके कुणाल कोहली फिल्म के निर्देशक हैं। कावेरी कुणाल कोहली के साथ अपने अनुभव को बयान करते हुए कहती हैं, कुणाल सर ने सेट पर मुझे काफी सेफ फील कराया। यह मेरी पहली फिल्म है, तो मेरे आपस एक्टिंग का कोई अनुभव नहीं था। सेट पर उन्होंने माहौल को कुछ ऐसा बनाए रखा कि अगर मैं कभी नर्वस होती भी, तो वह मुझसे चर्चा करते और मेरी नर्वसनेस दूर कर देते थे। निर्देशक के रूप में उनकी सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह आपका एक्स फैक्टर पहचानते हैं। वह समझते हैं कि आपका दिमाग और बॉडी लैंग्वेज क्या होगा और वह उसी हिसाब से सलाह देते हैं।

फिल्म 'द नेटवर्कर' करके थ्रिल हुआ

फिल्म 'द नेटवर्कर' एमएलएम के जाल में फंसे लोगों की गहराई और जटिलता के बारे में हैं। इस फिल्म का पोस्टर 9 फरवरी को चंडीगढ़ में लॉन्च हुआ है। इस दौरान फिल्म की स्टार विंध्या तिवारी ने बात की।

फिल्म में आपके के किरदार को कितना अलग देख पाएंगी?
फिल्म का सब्जेक्ट ही अपने आप में सबसे अलग है। ऐसे सब्जेक्ट में जब काम करने का मौका मिलता है तो थ्रिल जैसा महसूस होता है। यह ऐसे स्कैम की कहानी है जो आजकल बहुत ही कॉमन है। मैं इस फिल्म में ऐसी बीवी की भूमिका निभा रही हूं जो अपने पति को बहुत प्यार करती है। आजकल तलाक की बहुत सारी घटनाएं हो रही हैं। पति-पत्नी एक दूसरे को नहीं समझ पा रहे हैं, जबकि कितनी भी विषम परिस्थिति हो एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। पति-पत्नी को आपस में समस्या को समझकर उसका समाधान निकालना चाहिए।

इस तरह के इंटेन्स किरदार निभाने का प्रोसेस क्या होता है?
मैंने कभी एक्टिंग नहीं सीखी है। इसलिए मुझे प्रोसेस नहीं पता है। मैं बनारस की रहने वाली हूं। कैमरा ऑन होते ही कुछ मैजिक होता है। मुझे खुद नहीं पता कि क्या करने वाली हूं। लोग उसे देखकर तारीफ करते हैं। एक्टिंग करते-करते कई साल हो गए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि अभी-अभी आई हूं। अभी बहुत कुछ सीखना और अच्छे काम करना है।

विंध्या, आप फिल्म, टीवी और ओटीटी पर काम कर चुकी हैं, सबसे ज्यादा मजा किसमें आता है?
मैं बहुत ही साधारण फैमिली से हूं। मैं डांस भी करती थी तो दादा जी को बहुत दिक्कत होती थी। डॉक्टर और इंजीनियर के अलावा तीसरा ऑप्शन देते ही नहीं है। मुझे तो एक्टिंग प्रोफेशन के बारे में नहीं पता था कि इसमें पैसे भी मिलते हैं। मुंबई आई यहां काम और पैसे मिलने लगा तब समझ में आया कि एक्टिंग प्रोफेशन से सीरियसली पैसे भी कमाए जा सकते हैं। टीवी, फिल्म और ओटीटी पर मैंने काम करने बहुत ही एन्जॉय किया है।

विंध्या, इस फिल्म की सबसे खूबसूरत जर्नी और चैलेंज क्या रहा?
हर प्रोजेक्ट अपने आप में एक चैलेंज होता है। हर फिल्म की शूटिंग के दौरान टीम के साथ नए लोग होते हैं। विक्रम के साथ मैंने पहले भी काम किया है। हमने लाइफ में बहुत मेहनत की है। हम लोग लखनऊ में शूटिंग कर रहे थे, वहां का माहौल बहुत नवाबी रहता था। सेट पर खाना बहुत अच्छा आता था।

इम्तियाज अली की सीरीज में दिखेंगे अर्जुन और अदिति

देंशक इम्तियाज अली अमर सिंह चमकीला के बाद अब नेटफ्लिक्स के लिए एक वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में अर्जुन रामपाल और अदिति राव हैदरी के नाम पर तो पहले ही मोहर लग चुकी थी लेकिन इसकी कहानी या कलाकारों से जुड़ी और जानकारी सामने नहीं आई थी। अब इस सीरीज में अविनाश तिवारी की भी एंट्री हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... सीरीज का नाम है ओ साथी रे, लेकिन इम्तियाज इसका निर्देशन नहीं कर रहे हैं बल्कि वह इससे बतौर लेखक और निर्माता जुड़े हैं। इस सीरीज के निर्देशन की जिम्मेदारी उन्होंने अपने भाई आरिफ अली को सौंपी है। आरिफंने इम्तियाज के साथ मिलकर उनकी सुपरहिट वेब सीरीज शी का निर्देशन भी किया था। यह एक रोमांटिक ड्रामा सीरीज होगी, जिसमें एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर देखने को मिलेंगे।

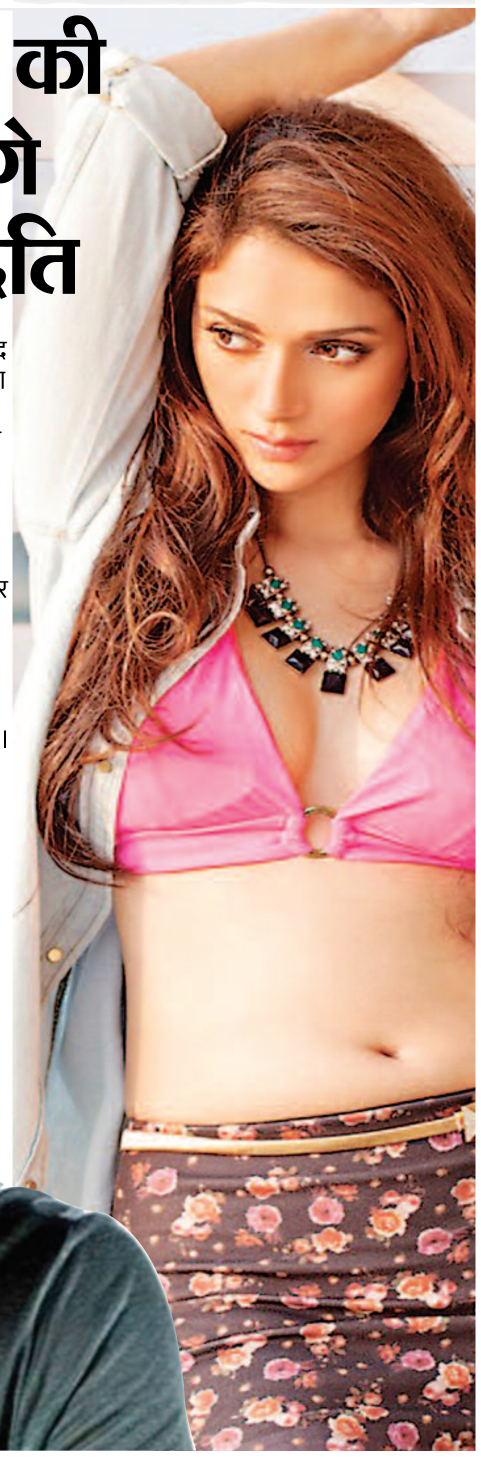

जयदीप अहलावत ने मनोज वाजपेयी को कहा कमाल?

जयदीप अहलावत को बॉलीवुड से ज्यादा लाइमलाइट वेब सीरीज में अभिनय करके मिली है। वह वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दो सीजन में नजर आ चुके हैं। इसमें वह हाथी राम चौधरी के किरदार में नजर आते हैं, जो एक पुलिस ऑफिसर है। इस किरदार के जरिए दर्शकों को अपराध की स्याह दुनिया दिखाई जाती है। 'पाताल लोक 2' में भी दर्शकों ने जयदीप को खूब सराहा। अब वह एक और वेब सीरीज में नजर आएंगे। इसमें जिस कलाकार के साथ वह काम कर रहे हैं, वह बॉलीवुड के उम्दा एक्टर्स में शामिल है।

जयदीप ने इस एक्टर को सराहा

जल्द ही जयदीप मनोज वाजपेयी के साथ वेब सीरीज 'फैमिली मैन 3' में नजर आएंगे। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी अलग होने वाला है। इस सीरीज का हिस्सा बनकर वह काफी खुश हैं। मनोज वाजपेयी के साथ एक्टिंग करना उनके लिए बड़ी बात है। वह मनोज को एक कमाल का एक्टर बताते हैं। जयदीप अहलावत 'फैमिली मैन 3' की स्टोरी को भी बेहतरीन और सुंदर बताते हैं। वह इस वेब सीरीज को बनाने वाली पूरी टीम की तारीफ करते हैं। उन्हें उम्मीद है कि जब वेब सीरीज आएगी तो दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

जयदीप के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

जयदीप अहलावत एक फिल्म 'ज्वेल थीफ' में भी नजर आएंगे। इसमें सैफ अली खान अहम भूमिका निभा रहे हैं। हाल ही में इसका टीजर भी रिलीज हुआ, यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। फिल्म हाइस्ट यानी चोरी पर आधारित है।

रितेश देशमुख की राजा शिवाजी में दिखेंगे संजय, फरदीन और अभिषेक

रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की सुपरहिट मराठी फिल्म वेड दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी थी। अब रितेश अपनी दूसरी मराठी फिल्म राजा शिवाजी लेकर आ रहे हैं। उनकी यह फिल्म हिंदी में भी रिलीज होने वाली है और इससे भी खास बात यह है कि इस फिल्म के लिए रितेश ने अभिषेक बच्चन, संजय दत्त और फरदीन खान को साइन कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में अभिषेक, फरदीन और संजय की एंट्री हो चुकी है और इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है। फिल्म के निर्देशन की कमान तो रितेश संभाल ही रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि संजय, अभिषेक और फरदीन इसमें मुगलों की भूमिका में दिखेंगे। इसमें तीनों एक्टर्स मुगलों की भूमिका में दिखेंगे। फिल्म को रितेश डायरेक्ट कर रहे हैं।

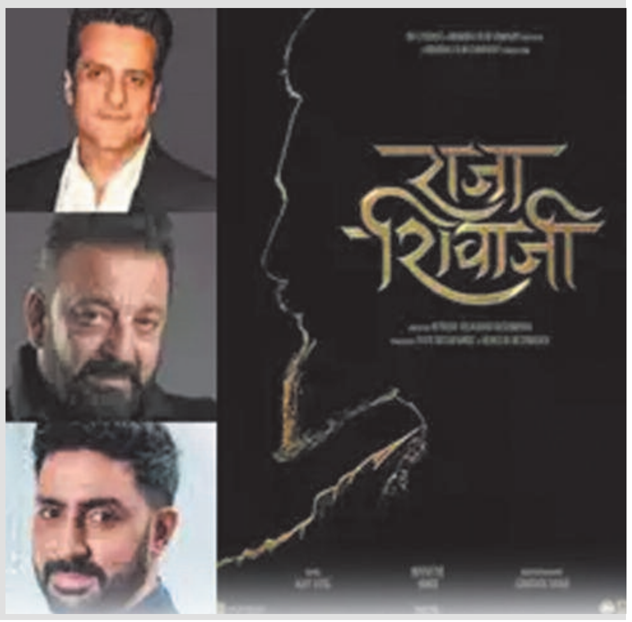

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673